RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:276 ता. 29 अप्रेल 2023, शनिवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

यमुना एक्सप्रेसवे पर और अधिक समय तक देना पड़ सकता है टोल टैक्स

नोएडा। जेपी इंफ्राटेक कंपनी को टेकओवर कर रही सुरक्षा कंपनी के प्रस्ताव को अपनाने पर होने वाले नफा-नुकसान का यमुना प्राधिकरण आंकलन करेगा। सुरक्षा ने अपने प्रस्ताव में टोल वसूली का समय बढ़ाने, टोल शुल्क बढ़ाने, किसानों को दिया जाने वाला अतिरिक्त मुआवजा किस्तों में देने, करीब 79 एकड़ जमीन पर कब्जा देने की बात कही है। अगर सुरक्षा के प्रस्ताव को माना जाता है तो लोगों को यमुना एक्सप्रेसवे पर और अधिक समय तक टोल टैक्स देना पड़ सकता है। यमुना एक्सप्रेसवे का निर्माण जेपी इंफ्राटेक कंपनी ने किया है। इसका निर्माण करने के बदले सरकार ने जेपी इंफ्रा को 500-500 हेक्टेयर की पांच एलएफडी (लैंड फॉर डेवलपमेंट) दी थी। एक एलएफडी नोएडा में है, जिसमें कई हाउसिंग प्रोजेक्ट हैं। इसमें कई अधूरे हैं और 20 हजार खरीदार फंसे हैं। इन एलएफडी और यमुना एक्सप्रेसवे के लिए जमीन देने वाले किसानों को अतिरिक्त मुआवजा दिया जाना है। करीब 10 हजार किसानों को 1600 करोड़ रुपये का अतिरिक्त मुआवजा मिलना है। एनसीएलटी ने सुरक्षा के जिस प्रस्ताव पर मुहर लगाई थी, उसमें अतिरिक्त मुआवजा के रूप में केवल 10 लाख रुपये देने की बात कही गई है। इस फैसले के खिलाफ यमुना विकास प्राधिकरण ने एनसीएएलटी में अपील की। गत 25 अप्रैल को हुई सुनवाई में एनसीएएलटी ने अतिरिक्त मुआवजे पर दोनों पक्षों से जवाब मांगा है। अब इस मामले की सुनवाई 29 मई को होगी।

यीडा के साथ सुरक्षा ने इन बिंदुओं पर चर्चा की-अतिरिक्त मुआवजे पर सुरक्षा और यमुना प्राधिकरण के बीच गुरुवार को बैठक हुई। सुरक्षा अतिरिक्त मुआवजा देने को तैयार हो गई है, लेकिन इसके साथ ही कुछ शर्तें रख दी हैं। जेपी इंफ्राटेक और सरकार के बीच हुए करार में यमुना एक्सप्रेसवे पर 36 साल तक टोल वसूली करनी है।

क्या है नीतीश कुमार का 'एक के मुकाबले एक' फॉर्मूला, जिससे 500 सीटें साधने की हो रही तैयारी

नई दिल्ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले दिनों कांग्रेस लीडरशिप से मुलाकात की थी। इसके बाद वह बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से मिलने कोलकाता पहुंचे और लखनऊ में अखिलेश यादव से भी मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ तेजस्वी यादव भी मौजूद थे। इस तरह कई दलों के साथ नीतीश कुमार ने संवाद किया है और 2024 के लिए एक के बदले एक का फॉर्मूला दिया है। इस फॉर्मूले के तहत हर सीट पर भाजपा के मुकाबले विपक्ष का एक ही उम्मीदवार उतारे जाने का सुझाव है। यह रणनीति कितनी सफल हो सकेगी, यह तो वक्त ही बताएगा। लेकिन कहा जा रहा है कि महागठबंधन ने देश की 500 लोकसभा सीटों पर इस फॉर्मूले से चुनाव का सुझाव दिया है। नीतीश कुमार ने राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात में यह सुझाव दिया था। इसके बाद ममता बनर्जी और अखिलेश यादव से भी इसी रणनीति पर काम करने की अपील की। यही नहीं चुनाव से पहले एक बड़े गठबंधन को भी तैयार करने की कोशिश है ताकि यह संदेश जाए कि विपक्ष एकजुट है। सूत्रों का कहना है कि नया यूपीए बनाने की कोशिश है, जिसमें एक चेयरपर्सन होगा और एक संयोजक बनाया जाएगा। नीतीश कुमार को यूपीए के संयोजक का पद मिल सकता है। यही नहीं कोशिश की जा रही है कि संयोजक को ही पीएम कैंडिडेट के तौर पर पेश किया जाए। इस नए मोर्चे का ऐलान जून तक किया जा सकता है। महागठबंधन के एक बड़े नेता ने कहा, संयोजक का पद अहम होगा। उसे ही गठबंधन में पीएम कैंडिडेट के तौर पर प्रोजेक्ट किया जाएगा। गठबंधन के प्रतीकात्मक मुखिया चेयरपर्सन होंगे।% उन्होंने कहा कि एक के बदले एक के फॉर्मूले पर इससे पहले 1977 में चुनाव लड़ा गया था। तब कांग्रेस के मुकाबले जो महागठबंधन बना था, उसने हर सीट पर अपना एक उम्मीदवार उतारा था और वोटों को बांटने से रोक लिया था। इसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के मुकाबले 2004 में भी यही रणनीति बनी थी। कई क्षेत्रीय दलों के साथ मीटिंग के बाद जून तक इस फॉर्मूले का ऐलान हो सकता है।

● **नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए एक के मुकाबले एक का फॉर्मूला दिया है। उनका सुझाव है कि यूपी, बिहार, बंगाल समेत तमाम राज्यों में भाजपा के मुकाबले विपक्ष का एक ही संयुक्त उम्मीदवार उतारा जाए।**

कई राज्यों में नीतीश के फॉर्मूले पर सहमति मुश्किल

नीतीश कुमार ने 12 अप्रैल को दिल्ली पहुंचकर राहुल गांधी और खड़गे से मीटिंग की थी। इस मीटिंग के बाद राहुल गांधी ने कहा था कि यह 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले अहम मीटिंग है। इससे विपक्षी एकता को मजबूती मिलेगी। यह मीटिंग राहुल गांधी की संसद सदस्यता जाने के तीन सप्ताह बाद ही हुई थी। हालांकि नीतीश कुमार के फॉर्मूले को लेकर कुछ राज्यों में सवाल उठ सकता है, जैसे तेलंगाना, केरल, बंगाल और तमिलनाडु। इन राज्यों में क्षेत्रीय दल अपने हिस्से की सीटों में कांग्रेस को कितना मौका देंगे, यह देखने वाली बात होगी। इस पर सहमति बना पाना भी आसान काम नहीं होगा।

बिहार, बंगाल जैसे राज्यों में कांग्रेस को दिखाना होगा संतोष

फिलहाल इस संकट से निपटने के लिए यह फॉर्मूला दिया गया है कि क्षेत्रीय दलों को उनती ताकत वाले राज्यों में पर्याप्त सीटें दी जाएं। इसके अलावा कांग्रेस और लेफ्ट पार्टियों जैसे क्षेत्रीय दल यदि मुकाबले में उतरना चाहें तो उन्हें भी छूट होगी। इस तरह एक बैलेंस बनाने की कोशिश होगी। जैसे बिहार की ही बात करें तो यहां आरजेडी और जेडीयू को ज्यादा सीटें मिलेंगे, जबकि लेफ्ट और कांग्रेस को कम हिस्सा दिया जाएगा। इसी तरह बंगाल में भी टीएमसी के खाते में ही ज्यादातर सीटें रहेंगी। ऐसे में लेफ्ट और कांग्रेस को संतोष दिखाना होगा या फिर वे भी मैदान में उतरेंगे।

गुरुग्राम में भी श्रद्धा जैसा हत्याकांड, पति ने पत्नी की हत्या कर शव के टुकड़े-टुकड़े, फिर ऐसे ठिकाने लगाई लाश

गुरुग्राम। दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम में भी श्रद्धा हत्याकांड जैसा खौफनाक मामला सामने आया है। गुरुग्राम पुलिस ने अपनी पत्नी की हत्या कर लाश के टुकड़े-टुकड़े करने के आरोपी पति को मानेसर से गिरफ्तार किया है। हालांकि, अभी तक हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पुलिस आरोपी को शुक्रवार को कोर्ट में पेश करेगी। मानेसर के कुकडोला गांव में 21 अप्रैल को खेत में बने एक कमरे के अंदर एक महिला का अधजला धड़ मिलने से सनसनी फैल गई थी। महिला के धड़ से दोनों हाथ, दोनों पैर और गर्दन से ऊपर का भाग गायब था। पुलिस को शुरू से ही शक था कि महिला की कहीं और हत्या की गई है। गुरुग्राम की पुलिस कमिश्नर कला रामचंद्रन ने गुरुवार को कहा कि आरोपी पति जितेंद्र (34) से पूछताछ की जा रही है और अधिक जानकारी शुक्रवार को साझा की जाएगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, जितेंद्र गांधी नगर का रहने वाला है और मानेसर इलाके में किराये पर रहता था। महिला का शव कुकडोला गांव निवासी उमेद सिंह के लीज पर लिए गए खेत में बने दो कमरों में से एक से मिला था। पुलिस के मुताबिक, उमेद सिंह ने पचगांव चौक से कसान गांव तक जाने वाली सड़क के किनारे आठ एकड़ जमीन लीज पर ली थी। उमेद सिंह ने अपनी शिकायत में कहा, मेरे पड़ोसी ने मुझे फोन किया और बताया कि उसने मेरे खेत के एक कमरे से कुछ धुआं निकलते देखा है। जब मैं खेत में पहुंचा तो मुझे कमरे में आधा जला हुआ धड़ मिला और मैंने पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने अपनी जांच में पाया कि धड़ एक 30 वर्षीय महिला का है। रविवार को महिला के कटे हुए दोनों हाथ और बुधवार शाम को उसका सिर खेड़कीदौला इलाके से मिला था। उमेद सिंह की शिकायत पर मानेसर पुलिस स्टेशन में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) और 201 (साक्ष्य छिपाना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। पुलिस के एक सूत्र ने बताया कि आरोपी ने अपनी पत्नी की हत्या करने की बात कबूल कर ली है।

पुंछ टेरर अटैक पर पुलिस के नोटिस से घबराया शख्स, डर के मारे किया सुसाइड

राजौरी। पिछले हफ्ते पुंछ में सेना के जवानों पर हुए आतंकी हमले के मामले में पूछताछ के लिए पुलिस ने एक शख्स को समन देकर पेश होने का आदेश दिया था। बताया जा रहा है कि समन से घबराए शख्स ने जहर खाकर आत्महत्या कर दी। इस शख्स की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। उधर, मामले में पुलिस अधिकारी का कहना है कि मरने वाला कुछ घरेलू मुद्दों से परेशान था। आत्महत्या करने वाले शख्स की पहचान पुंछ जिले की मेंढर तहसील के नार गांव निवासी मुख्तार हुसैन शाह के रूप में की जा रही है। जानकारी के अनुसार, जम्मू कश्मीर पुलिस ने पुंछ आतंकी हमले पर उसे नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया गया था। पुलिस अधिकारी का कहना है कि वह टेरर अटैक में संदिग्ध नहीं था लेकिन, उसे मामले में पूछताछ के लिए समन जारी जरूर किया था। हालांकि अधिकारी ने स्पष्ट किया कि शाह घरेलू मामलों में परेशान चल रहा था। इसलिए उसने ऐसा आत्मघाती कदम उठाया। बताया जा रहा है कि उसने मंगलवार शाम अपने घर में जहर खाकर जान देने की कोशिश की। उसे राजौरी के सरकारी अस्पताल में भर्ती किया गया, जहां गुरुवार सुबह उसने दम तोड़ दिया।

गौरतलब है कि 20 अप्रैल को भट्टा-डूरियन में आतंकवादियों ने घात लगातार सेना के एक ट्रक पर रॉकेट बमों से हमला बोल दिया था। बम से ट्रक को उड़ाकर आतंकियों ने कई राउंड फायरिंग भी की। इस हमले में सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। आतंकियों की धरपकड़ के लिए सेना ने पुंछ और राजौरी के आसपास के कई इलाकों में बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया गया है, लेकिन अभी वो आतंकी पकड़ से बाहर हैं, जो हमले में शामिल थे।

पश्चिम बंगाल में वज्रपात से 14 लोगों की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में गुरुवार रात तेज आंधी के साथ भारी बारिश और वज्रपात से 14 लोगों की मौत हो गई। राज्य के पांच अलग-अलग जिलों में लोगों की मौत हुई है।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि तेज आंधी और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पूर्व बर्दवान जिले में चार लोगों की मौत हुई है। जबकि मुर्शिदाबाद और उत्तर 24 परगना में दो-दो लोगों की जान गई है। वहीं, पश्चिम मेदिनीपुर और हावड़ा ग्रामीण जिलों में छह लोगों की जान चली गई। मरने वाले लोगों में ज्यादातर किसान थे और आंधी-तूफान के समय घर से बाहर थे, जिसकी वजह से इसकी चपेट में आ गए।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि तेज आंधी और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आने से पूर्व बर्दवान जिले में चार लोगों की मौत हुई है। जबकि मुर्शिदाबाद और उत्तर 24 परगना में दो-दो लोगों की जान गई है।

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक गुरुवार शाम से ही राजधानी कोलकाता के साथ हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना, पूर्व और पश्चिम बर्दवान, मुर्शिदाबाद सहित दक्षिण बंगाल के विस्तृत इलाकों में तेज आंधी के साथ भारी बारिश शुरू हुई थी। इसके साथ ही बिजली भी कड़क रही थी।

अलीपुर स्थित क्षेत्रीय मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि गुरुवार शाम 4:00 बजे से ही बारिश और आंधी तूफान की शुरुआत हो गई थी।

तो उमेश पाल को मारकर भी बच जाता असद! जानबूझकर सीसीटीवी में आया; क्यों धरी रह गई प्लानिंग

प्रयागराज। माफिया अतीक अहमद अब अतीत हो चुका है, लेकिन उसके परिवारों के कारनामों की कहानियां जिंदा हैं। अब खबर है कि उमेश पाल हत्याकांड में कथित तौर पर शामिल रहे अतीक के बेटे असद ने खुद को बचाने का दमदार प्लान तैयार किया था। हालांकि, आखिरी समय में सारी प्लानिंग धरी रह गई। इतना ही नहीं, कहा जा रहा है कि असद ने जानबूझकर खुद को सीसीटीवी में कैद कराया। अप्रैल के मध्य में ही उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स ने असद और शूटर गुलाम मोहम्मद को एनकाउंटर में ढेर कर दिया था।

लखनऊ में छोड़ा मोबाइल

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, उमेश पाल की हत्या के दौरान असद ने अपना मोबाइल और एटीएम कार्ड लखनऊ में दोस्त आतिन जाफर को इस्तेमाल करने के लिए। कहा जा रहा है कि इसके जरिए असद दिखाने की कोशिश करना चाह रहा था कि कांड के वक्त वह लखनऊ में था। जाफर अतीक के करीबी जफरुल्लाह का बेटा है। फिलहाल, जफरुल्लाह अतीक के सबसे बड़े बेटे उमर के साथ लखनऊ जेल में बंद है।

बदल दी प्लानिंग-रिपोर्ट के अनुसार, उमेश पाल की हत्या के दौरान असद की पहचान छिपाने के लिए मंकी कैप की व्यवस्था भी की गई थी। हालांकि, कहा जा रहा था कि असद को अतीक और अशरफ ने गाड़ी से नहीं उतरने के लिए कहा है, लेकिन अगर वह गाड़ी से बाहर आएगा, तो मंकी कैप लगानी होगी। खबर है कि वारदात के वक्त असद ने जानबूझकर मंकी कैप नहीं पहनी और सीसीटीवी में नजर आया, ताकि अतीक और अशरफ की नजरों में उसका सम्मान बढ़ सके।

शाइस्ता से हुआ अतीक का झगड़ा?-खबरें आई थीं कि इस मामले में असद का नाम सामने आने के बाद शाइस्ता और अतीक के बीच कहासुनी भी हुई थी। हालांकि, रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि इस घटना से अतीक खुश था और असद को शेर का बेटा बताया था। पाल की 24 फरवरी को प्रयागराज में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस को शाइस्ता और गुड्डू मुस्लिम समेत कई लोगों की तलाश है।

बढ़ेगा पहलवानों का विरोध, एससी के फैसले के इंतजार में खाप पंचायतें, बंद की चेतावनी

नई दिल्ली। दिल्ली में जारी पहलवानों का प्रदर्शन बड़ा होने के आसार हैं। खबर है कि अब खाप पंचायतों ने मांगें नहीं माने जाने की स्थिति में बंद की चेतावनी दी है। दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से खाप पंचायतों के 30 से ज्यादा प्रतिनिधि जंतर मंतर पहुंचे। शुक्रवार को भी बड़े स्तर पर नेताओं के पहुंचने की संभावनाएं हैं। पहलवान भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। फोगाट खाप के प्रमुख बलवंत नंबरदार ने कहा कि बड़ी संख्या में हरियाणा से खाप दिल्ली पहुंचेंगे और पहलवानों के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा, हमने हमारे बच्चों का समर्थन किया है और हमारा उनमें भरोसा है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतकर उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। पहलवानों को धरने पर बैठने के लिए मजबूर किया जा रहा है। आरोपों की गंभीरता को देखते हुए, ब्रिजभूषण प्रमुख को इस्तीफा दे देना चाहिए और जांच का सामना करना चाहिए। हमें सुप्रीम कोर्ट से काफी उम्मीदें हैं।%

सर्व खाप पंचायत के संयोजक ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा, यह दुखद है कि कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई और न ही शिकायतों के बावजूद उन्हें गिरफ्तार किया गया। हम पहलवानों का समर्थन करते हैं।% उन्होंने बताया है कि धनखड़ खाप, जाखड़ खाप, अहलावत खाप, कादियां खाप, बिरोहर-12, फोगाट खाप, शेरावत खाप, हुड्डा खाप, रोहतक खाप 84, नंदल खा, मलिक खाप और झज्जर 360 खाप पहलवानों के समर्थन में हैं।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार

धनखड़ ने कहा, सभी खाप नेताओं ने बैठक की है और आगे की रणनीति बनाने से पहले सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार करना तय किया गया है। अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला पहलवानों के पक्ष में नहीं आता है, तो अलग-अलग राज्यों के खाप पंचायतों को दिल्ली में बुलाकर रणनीति तैयार की जाएगी।

क्रिकेटरों पर सवाल

बुधवार को एक कार्यक्रम के दौरान फोगाट ने कहा, पूरा देश क्रिकेट की पूजा करता है, लेकिन एक भी क्रिकेटर ने अब तक कुछ नहीं कहा है। हम यह नहीं कह रहे कि हमारे पक्ष में बोलो, लेकिन एक न्याय का संदेश तो दे सकते हैं। मुझे यही दुख है...। फिर चाहे क्रिकेटर्स हों, बैडमिंटन खिलाड़ी हों, एथलेटिक्स हो या बॉक्सिंग हो...। फोगाट ने जानकारी दी है कि उन्होंने और बजरंग पूनिया ने खिलाड़ियों से इस मामले में बोलने की अपील की है।

सरकार ने गुजरात हाईकोर्ट में माना - पुलिस विभाग में 22000 जगह खाली

अहमदाबाद । गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर स्वीकार किया है कि राज्य के पुलिस विभाग में 22 हजार जितने पद रिक्त पड़े हैं। साथ ही यह भी बताया कि रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल पुलिस से संबंधित मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक हाईकोर्ट ने सुओमोटो याचिका पर सुनवाई की। हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद गुजरात सरकार ने हलनाफ नामा दाखिल किया, जिसमें कहा गया है कि राज्य के पुलिस विभाग में 21.3 प्रतिशत पद रिक्त हैं। 96194 रिक्त पदों में से 73000 पर भर्ती की गई है और शेष 22 हजार जगह रिक्त है। राज्य के स्टेट रिजर्व फोर्स में भी कुल 4000 पद रिक्त हैं। अपने हलफनामे में गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट को बतायाकि रैली, जुलूस और सभा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता की मांग पर हाईकोर्ट ने रैली, जुलूस और सभा के बारे में अधिसूचना मीडिया में जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही आगामी अगस्त तक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने का हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार को आदेश दिया है। हाईकोर्ट इस मामले पर अगली सुनवाई 21 अगस्त को करेगी। बता दें कि गुजरात के पुलिस विभाग में रिक्त पदों को लेकर पिछले काफी समय से कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। गत 9 मार्च को याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार से कई सवाल किए थे। इसका जवाब देते हुए सरकार ने बताया कि पुलिस विभाग में रिक्त जगहों पर भर्ती करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

भाजपा विधायक हार्दिक पटेल को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

अहमदाबाद । विरमगाम से भाजपा विधायक हार्दिक पटेल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 के दौरान गुजरात में हुए दंगों के मामले में हार्दिक पटेल की नियमित जमानत मंजूर कर ली है। 2015 में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के गुजरात में हिंसा भड़क उठी थी। इस मामले में निचली अदालत ने हार्दिक पटेल को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान हार्दिक पटेल ने अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग करते हुए गुजरात हाईकोर्ट में अपील की थी। हांलाकि गुजरात हाईकोर्ट ने हार्दिक पटेल की याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद हार्दिक पटेल ने सुप्रीम कोर्ट के द्वार खटखटाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हार्दिक की याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इंकार दिया था। हार्दिक की अपील थी कि उसकी सजा रद्द की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सजा तो रद्द नहीं की परंतु हार्दिक पटेल की सजा पर उस वक्त तक रोक लगा दी जब तक पाटीदार आंदोलन के दौरान गुजरात में हुए दंगे, आगजनी के मामलों पर फैसला नहीं आ जाता। उसी मामले में अब सुप्रीम कोर्ट ने हार्दिक पटेल की नियमित जमानत को मंजूरी दे दी है।

जल मेट्रो के संचालन के दूसरे दिन 7,000 से अधिक यात्रियों ने सवारी

कोच्चि । देश की पहली और केरल की महत्वाकांक्षी कोच्चि जल मेट्रो के संचालन के दूसरे दिन उसके दो चालू मार्गों पर 7,000 से अधिक यात्रियों ने सवारी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अप्रैल को मेट्रो सेवा का लोकार्पण किया था। कोच्चि जल मेट्रो सेवा का व्यावसायिक संचालन केरल उच्च न्यायालय से वाइपिन तक के एकल मार्ग पर बुधवार को शुरू हुआ था और उस दिन 6,559 लोगों ने इससे यात्रा की थी। दूसरे दिन वायटिला से कक्कनाड तक दूसरे मार्ग पर भी इसका संचालन शुरू किया गया। कोच्चि जल मेट्रो लिमिटेड (केडब्ल्यूएमएल) ने बताया कि दोनों मार्गों पर दूसरे दिन कुल यात्रियों की संख्या 7,039 रही। वायटिला से कक्कनाड मार्ग पर यात्रा करने वाले 'इंफोपार्क' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशांत कुरुथिल के हवाले से बताया गया, ''कर्मचारी अंतिम गंतव्य तक संपर्क की सुविधा मुहैया होने के मद्देनजर अब काम पर जाने के लिए जल मेट्रो को प्राथमिकता दे सकते हैं। उन्होंने कहा, वे जल मेट्रो की आरामदायक सवारी करते हुए प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं और तरोताजा दिमाग के साथ अपने कार्यस्थल तक पहुंच सकते हैं।'' केडब्ल्यूएमएल ने कहा कि कक्कनाड जल मेट्रो टर्मिनल से इन्फोपार्क तक फीडर ऑटो और केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) फीडर बसों की सुविधा उपलब्ध है। वायटिला-कक्कनाड मार्ग पर टिकट की कीमत 30 रुपये है, जबकि उच्च न्यायालय-वाइपिन मार्ग पर यह 20 रुपये है। बंदरगाह शहर कोच्चि में 1,136.83 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना 78 इलेक्ट्रिक नौकाओं और 38 टर्मिनल का उपयोग करके 10 द्वीप को जोड़ेगी। पर्यावरण के अनुकूल नौकाएं आठ से दस समुद्री मील की गति से प्रस्तावित 76 किलोमीटर लंबे मार्गों पर यात्रा करेंगी। प्रत्येक नौका में 100 लोग यात्रा कर सकते हैं।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखने की फर्जी धमकी देने के आरोप में यूपी के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को आईजीआई हवाई अड्डा पुलिस थाने को एक व्यक्ति ने फोन किया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि हवाई अड्डे पर बम रखा हुआ है। इसके चार दिन बाद यह गिरफ्तारी की गई। अधिकारी ने बताया कि फोन आने के बाद हवाई अड्डे की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने बताया कि इसके बाद कॉल को अफवाह घोषित किया। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने उस नंबर पर फोन किया जिस नंबर से फोन आया था, तब वह फोन नंबर बंद पाया गया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि फोन उत्तर प्रदेश से किया गया था और जिस नंबर से कॉल आई थी, वह हापुड़ निवासी जाकिर के नाम पर पंजीकृत था।

ऑपरेशन कावेरी के तहत और 56 लोग सूडान से लौटे गुजरात, गृह मंत्री ने किया स्वागत

अहमदाबाद । सूडान में गृह युद्ध के बीच फंसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी शुरू किया है और इसके तहत अब तक सैकड़ों लोगों का लाया चुका है। ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से और 56 लोगों को सुरक्षित लाया गया है। गुजरात के 56 लोग शुक्रवार तड़के मुंबई होते हुए अहमदाबाद पहुंचे। सूडान से लौटे गुजरातियों को अहमदाबाद के सर्किट हाउस में ठहराया गया था। जहां गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने सूडान से लौटे गुजरातियों का गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। इस मौके पर हर्ष संघवी ने कहा कि अब भी जो गुजराती सूडान में फंसे हुए हैं, उन्हें सकुशल वापस लाने के लिए भारत सरकार के साथ गुजरात सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सूडान से लौटे 56 गुजरातियों को उनके गृहनगर पहुंचाने की राज्य सरकार ने सभी तैयारियां कर ली हैं। इस मौके पर सूडान से लौटे गुजरातियों ने अपनी वेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सूडान में प्रतिद्वंद्वी बलों के बीच संघर्ष के कारण जीवन बहुत कठिन हो गया था, भोजन और पानी की किल्लत हो गई। चोरी, हत्या और लूटपाट की घटनाएं हो रही थीं। भारत सरकार हमें सुरक्षित मौत के मुंह से निकाल लाई। इसके लिए गुजरात सरकार और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। सूडान से लौटे 56 लोगों में सबसे अधिक राजकोट जिले के हैं। जबकि अन्य लोग गांधीनगर, आणंद और वडोदरा के हैं।

पूछताछ करने सत्यपाल मलिक के घर पहुंची सीबीआई

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) 60 करोड़ के कथित रिश्वत मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पहुंची है। मामला एक स्वास्थ्य बीमा योजना से संबंधित है, जिसे कथित रूप से आगे बढ़ाने के लिए कहा गया था, लेकिन जब वह जम्मू और कश्मीर के तत्कालीन राज्य के राज्यपाल थे, तब रद्द कर दिया गया था। मलिक ने दावा किया था कि 23 अगस्त, 2018 और 30 अक्टूबर, 2019 के बीच राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए उन्हें 300 करोड़ रुपये रिश्वत की पेशकश की गई थी। सीबीआई की टीम उनके बयान दर्ज करने और अन्य जानकारी जुटाने के लिए उनके घर पहुंची है। पिछले साल सीबीआई ने इस संबंध में मामला दर्ज कर छह राज्यों में छापेमारी की थी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश में कथित बीमा घोटाले की जांच के सिलसिले में मलिक से पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा कि सीबीआई की एक टीम राष्ट्रीय मलिक के सोम विहार आवास पर उनके दावों पर स्पष्टीकरण लेने के लिए सुबह करीब 11.45 बजे पहुंची।

'धर्म के आधार पर आरक्षण संवैधानिक रूप से गलत',

कांग्रेस भ्रष्टाचार, कमीशन और भाई-भतीजावाद की फैक्ट्री: नड्डा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव को लेकर प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है। भाजपा ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी लगातार राज्य में भाजपा के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मधुगिरि में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने एक बार फिर से आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर वार किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संवैधानिक दृष्टि से गलत है। इसक साथ ही उन्होंने कांग्रेस से सवाल भी किया। उन्होंने पूछा कि आप अगर धार्मिक आधार पर आरक्षण देंगे तो किसका आरक्षण लेंगे लिंगायत का, सुप्रीम कोर्ट का या वोकालिंगा का? उन्होंने कहा कि हमारे सुप्रीम कोर्ट भाईयों को 2प्र. अतिरिक्त आरक्षण दिया गया, आदिवासी भाईयों को 4प्र. का अतिरिक्त आरक्षण मिला, वोक्कालिगा को 2प्र. का आरक्षण मिला, लिंगायत भाईयों को 2प्र. का आरक्षण मिला।

नड्डा ने कहा कि आज सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार कह रहे हैं कि हम ये आरक्षण वापस लेंगे और धर्म के आधार पर आरक्षण देंगे। धर्म के आधार पर आरक्षण संवैधानिक रूप से गलत है। इसके साथ ही उन्होंने का कहा कि ये कर्नाटक के भविष्य का चुनाव है। समय पर सही फैसले करते हैं तो सही परिणाम आते हैं। उन्होंन डबल इंजन सरकार का मतलब भी बताया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन का मतलब है, जो नीति मोदी जी भेजते हैं उसे जमीन पर येदियुरप्पा और बोम्मई क्रियान्वित करते हैं, ऐसी सरकार डबल इंजन की सरकार कहलाती है। उन्होंने लोगों से कहा कि याद रखें कि सही समय पर सही निर्णय लेने से सही परिणाम मिलते हैं, अन्यथा परिणाम हमेशा गलत होते हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब कांग्रेस और जेडीएस की सरकार थी तब किसान सम्मान निधि में 17 किसानों के नाम भेजे गए थे। आज जब बोम्मई जी की सरकार है तब 50 लाख से अधिक किसानों को 'किसान सम्मान निधि' का फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि डबल-इंजन सरकार ने कर्नाटक में विकास और समृद्धि सुनिश्चित की है। मोदी जी के मजबूत नेतृत्व में सब कुछ संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह भ्रष्टाचार और घोटालों में डूबी हुई है। डीके शिवकुमार मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं, वह जमानत पर हैं। ऐसे भ्रष्ट नेताओं को सत्ता न देना सुनिश्चित करें। वे राज्य, देश को नष्ट कर देंगे। उन्होंने रकहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार, कमीशन और भाई-भतीजावाद की फैक्ट्री है। इसलिए 'कमल' को ही चुनो और विकास को चुनो।

मानहानि मामला : राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई 29 अप्रैल को

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस अपील पर गुजरात हाईकोर्ट 29 अप्रैल को सुनवाई करेगा, जिसमें मोदी उपनाम वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाने के सूरत सत्र अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। इस अपील पर उच्च न्यायालय के नए न्यायाधीश सुनवाई करेंगे। राहुल गांधी की अपील पर न्यायमूर्ति हेमंत पी. 29 अप्रैल को सुनवाई करेंगे। इससे पहले 26 अप्रैल को राहुल गांधी के वकील पीएस चंपानेरी ने न्यायमूर्ति गीता गोपी की अदालत के समक्ष मामले का उल्लेख किया था। हालांकि, न्यायमूर्ति गोपी ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया था। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर 2019 के मामले में सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद गांधी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। राहुल गांधी 2019 में केरल के वायनाड से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। सूरत की सत्र अदालत ने कांग्रेस नेता को दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी अर्जी 20 अप्रैल को खारिज कर दी थी। गांधी इस मामले में फिलहाल जमानत पर हैं।

कर्नाटक चुनाव: राहुल गांधी ने कहा- सरकार बनी तो महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा

- बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 3,000 रुपए तथा डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में पांचवीं चुनावी गारंटी की घोषणा करते हुए राज्य में सार्वजनिक परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का वादा किया। राहुल गांधी ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने कांग्रेस द्वारा चुनावी गारंटी पूरी नहीं किए जाने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर भी निशाना साधा। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि चार मौजूदा (चुनावी) गारंटी में हम एक और गारंटी जोड़ेंगे। यह महिलाओं के लिए होगी। मोदी जी, ध्यान से सुनिए। कांग्रेस के सत्ता में आते ही पहले दिन पांचवीं गारंटी भी लागू की जाएगी, जिसके तहत पूरे कर्नाटक में महिलाएं सार्वजनिक परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा करेंगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि आपके लोगों ने 40 फीसदी कमीशन के जरिये कर्नाटक की महिलाओं के पैसे लूटे, ये आपका काम रहा, जबकि हमारा काम कर्नाटक की महिलाओं को राज्य के पैसे का लाभ देना है। इसलिए, कांग्रेस के चुनाव जीतने के तुरंत बाद जब भी आप बसों में किसी महिला से मिलेंगे, तो वे बसों में यात्रा करने के लिए एक रुपया नहीं दे रही होंगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस द्वारा घोषित चुनावी 'गारंटी में कहा गया है कि 'गृह ज्योति योजना के तहत हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 'गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की प्रत्येक प्रमुख महिला को 2,000 रुपए प्रति माह, 'अन्न भाग्य के तहत बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर महीने 10 किलोग्राम चावल की पेशकश की जाएगी। इसके अलावा 'युवा निधि के तहत बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 3,000 रुपए तथा डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे।

राउत ने कहा स्थानीय लोगों को सरकार पर भरोसा नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि बारसू में स्थानीय लोगों को महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर भरोसा नहीं है। मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर रत्नागिरी में राजापुर तहसील के बारसू के निवासी कई हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक रिफाइनरी-पेट्रोकेमिकल परिसर की स्थापना का विरोध कर रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने सरकार को परियोजना का विरोध कर रहे ग्रामीणों से बातचीत करने की सलाह दी थी।

राउत ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि बारसू में जमीन खरीदने वाले नेताओं और ''बाहरी लोगों'' के हितों की रक्षा के लिए रिफाइनरी परियोजना को शुरू किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार ऐसे लोगों की सूची सार्वजनिक करे। उन्होंने कहा, ''मैंने सुना है कि शरद पवार ने कहा है कि स्थानीय लोगों के साथ बातचीत होनी चाहिए और उन्हें विश्वास में लिया जाना चाहिए। लेकिन उन्हें सरकार पर भरोसा नहीं है।'' पवार ने बुधवार को कहा था कि महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करनी चाहिए जो रत्नागिरी जिले में एक रिफाइनरी परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यदि इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं होता है तो वैकल्पिक स्थल की तलाश की जानी चाहिए। राकांपा प्रमुख ने कहा था कि उनकी पार्टी ने कोंकण में विकास परियोजनाओं का विरोध नहीं किया है, लेकिन स्थानीय लोगों की राय जानना जरूरी है।

सबसे ज्यादा बारिश होने के बाद भी 50 रुपए में 20 लीटर पानी

चेरापूंजी (एजेंसी)। मेघालय के चेरापूंजी में सबसे ज्यादा बारिश होती है। यहां 12 महीने पानी गिरता है। इसके बाद भी यहां 50 रुपए में 20 लीटर पानी, पीने के लिए खरीदना पड़ता है। यहां की 20,000 की आबादी हमेशा प्यासी बनी रहती है।

2 साल पहले ग्रेटर सोहरा चेरापूंजी जलापूर्ति योजना के उद्घाटन होने के बाद,लोगों को आशा जगी थी, कि अब उन्हें नियमित रूप से पीने का पानी उपलब्ध होगा। लेकिन यह प्रोजेक्ट भी हवा हवाई साबित हुआ। 24 करोड़ की लागत से बना यह प्रोजेक्ट जल स्त्रोत सूखने के कारण पानी की सप्लाई नहीं कर पा रहा है।

11430 एमएम बारिश का विश्व रिकॉर्ड

विश्व में सबसे ज्यादा बारिश चेरापूंजी में ही होती है। 11430 एमएम बारिश का वर्ल्ड रिकॉर्ड चेरापूंजी के नाम पर है। इसके बाद भी यहां के लोग पीने के पानी की किल्लत कई वर्षों से झेल रहे हैं।

50 रुपए में 20 लीटर की बोतल

यहां पर पेयजल टैंकरों से सप्लाई होता है। वह भी जब, जल स्त्रोतों में पेयजल इकट्ठा होता है। सरकारी नलों में हफ्ते में एक बार 1 घंटे के लिए कम दबाव में पानी की सप्लाई होती है। महिलाओं को 5 से 10 किलोमीटर दूरी से पानी लेने जाना पड़ता है। यहां पर 20 लीटर पानी की बोतल 50 रूपये में मिलती है। यहां पर प्रधानमंत्री की नल जल योजना का भी पता नहीं है। शासन और प्रशासन सबको पता है। लेकिन यहां के लोग पानी पीने के लिए तरसते हैं।

पथरीली जमीन,जल स्त्रोत नहीं

चेरापूंजी में लगभग लगभग 12 महीने बारिश होती है। बारिश का पानी यहां पर बह जाता है। पानी को रोकने के लिए जल संग्रह के स्त्रोत सरकार द्वारा तैयार नहीं किए गए हैं। पथरीली जमीन में वाटर हार्वेस्टिंग भी नहीं हो पाती है। रूफटॉप वाटर कलेक्शन भी,यहां पर सफल नहीं है। घरों की जंकीली छतों मे पानी को इकट्ठा होने के बाद पानी को खराब कर देती हैं। उसमें सड़ांध पैदा हो जाती है। स्वाद खराब हो जाता है। जिसके कारण लोगों को पानी खरीदकर पीना पड़ता है।

उत्तराखंड सरकार ने चारधाम श्रद्धालुओं के लिए 11 भाषाओं में जारी किए दिशा निर्देश

- श्रद्धालुओं को जलवायु अनुकूलन को देखते हुए सात दिन का कार्यक्रम बनाने की सलाह दी गई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम श्रद्धालुओं के लिए हिंदी और अंग्रेजी के अलावा सात और भारतीय भाषाओं में स्वास्थ्य संबंधी दिशा निर्देश जारी किए। स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने कहा कि हम हिंदी और अंग्रेजी में पहले ही दिशानिर्देश जारी कर चुके हैं। अब हम सात और भाषाओं में इन्हें जारी कर रहे हैं जिससे विभिन्न प्रदेशों से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु इन्हें आसानी से समझ सकें और अपनी सुरक्षा के लिए एहतियात बरत सकें। उन्होंने बताया कि हिंदी और अंग्रेजी के अलावा गुजराती, पंजाबी, बांग्ला, मराठी, तेलगू, कन्नड़, उड़िया और तमिल में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। पिछले साल चारधाम यात्रा के दौरान अनेक श्रद्धालुओं की दिल का दौरा पड़ने तथा अन्य स्वास्थ्य कारणों के चलते मौत हो गई थी और इसी के मद्देनजर राज्य सरकार ने यात्रा शुरू होने से पहले ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशा निर्देशों में उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित चारों धाम बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के समुद्रतल से 2700 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण श्रद्धालुओं को जलवायु अनुकूलन के मद्देनजर कम से कम सात दिन का कार्यक्रम बनाने की सलाह दी गयी है। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि तीर्थस्थलों की ऊंचाई अधिक होने के कारण तीर्थयात्री अत्यधिक ठंड, कम आर्द्रता, अत्यधिक अल्ट्रा वायलेट विकिरण, कम हवा का दवाब, कम आक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकते हैं इसलिए वे यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान पर्याप्त सावधानियां बरतें। तीर्थयात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना कम से कम सात दिन की बनाएं जिससे उन्हें वातावरण के अनुरूप ढलने के लिए पर्याप्त समय मिले। इसके अलावा, उन्हें यात्रा पर निकलने से पहले रोजाना 5-10 मिनट श्वास व्यायाम करने तथा करीब आधा घंटा टहलने की सलाह भी दी गई है। कोई बीमारी होने या 55 साल से अधिक की उम्र होने की स्थिति में श्रद्धालुओं को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह देते हुए कहा गया है कि चिकित्सक द्वारा अनुमति न देने पर यात्रा पर न आएं। इसके अलावा उन्हें अपने साथ गर्म कपड़े, छाता और बरसाती साथ में रखने तथा यात्रा के दौरान कम से कम दो लीटर तरल पदार्थ पीने और भरपूर पौष्टिक आहार लेने की सलाह भी दी गई है। गढ़वाल क्षेत्र के सभी जिलाधिकारियों को इन दिशानिर्देशों का श्रद्धालुओं के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है ताकि उनकी यात्रा सुगम और सुरक्षित रूप से संपन्न हो।

भाजपा में शामिल होकर आलोक ने कहा, नीतिश सचमुच पलटीमार नेता

पटना । जदयू के पूर्व प्रवक्ता अजय आलोक ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा में शामिल होते ही आलोक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जुबानी हमला किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश को बहुत लोग पलटीमार कहते हैं, जो बिल्कुल सही है। इस दौरान उन्होंने आनंद मोहन को रिहा करने के फैसले पर नीतीश कुमार को घेरा। उन्होंने कहा कि 87 साल बाद 2012 में नीतीश कुमार ने ही जेल मैन्युअल में संशोधन किया था। तब यह क्लॉज डाला था, कि अगर सरकारी सेवक की हत्या होगी तब उस कभी रिहा नहीं किया जाएगा। आलोक ने कहा कि नीतीश ने उस समय जेल मैन्युअल में बदलाव किया, जिससे जेल से बाहर आने वाले अपराधी छूट न पाए। अब आनंद मोहन और बाकी कैदियों को उन्हें रिहा करना था, इसकारण उन्होंने फिर से संशोधन किया। कई दुर्दांत अपराधी को छोड़ा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब दलितों की हत्या करने वालों को इसकारण छोड़ा जाएगा कि वहां अमूक जाति से है।

कर्नाटक चुनाव में खरगे का पीएम मोदी पर अमर्यादित बयान कांग्रेस को पड़ सकता है भारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विषैला सांप कहे जाने का मुद्दा गर्मा गया है। खरगे अपने बयान पर तमाम तरह की सफाई दे रहे हैं लेकिन भाजपा ने इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है। भाजपा ने तो चुनाव आयोग से मांग भी की है कि विवादित बयान के लिए खरगे पर कार्रवाई की जाये और उन्हें कर्नाटक में चुनाव प्रचार करने से रोका जाये। वहीं, शुक्रवार को जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक में चुनाव प्रचार के लिए पहुँचे तो उन्होंने भी प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बातें कहने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जिन पीएम मोदी का इतना सम्मान करती है, उन्हें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विषैला सांप कहते हैं, सोनिया गांधी उन्हें मौत का सौदागर कहती हैं। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस वालों की मति मारी गई है, वे मोदी जी को जितनी गाली देंगे कमल उतने ही अच्छे से खिलेगा।

अमित शाह ने साथ ही उनके खिलाफ एफआईआर कराने वाली कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि हमने पीएफआई पर बैन लगाकर कर्नाटक को सुरक्षित किया है। मैं नहीं डरता हूं। आपको कोई आपत्ति है तो आकर बताइए कि क्यों पीएफआई को चालू रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने पीएफआई को सिर पर चढ़ाया था। गृह मंत्री अमित शाह ने धारवाड़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस 70 साल से धारा 370 को एक बच्चे की तरह अपनी गोद में सहला रही थी। कांग्रेस, जेडीएस, सपा, बसपा, ममता सब कहते थे कि इसे मत हटाइए कश्मीर में खून की नदियां बह जाएगी। उन्होंने कह कि धारा 370 हट गई तब खून की नदियां तो छोड़िए किसी की कंकड़ चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई।

बहरहाल, हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार और रविवार को कर्नाटक में चुनाव प्रचार करेंगे। देखना होगा कि खरगे की टिप्पणी पर वह कैसे पलटवार करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा था कि जिस पार्टी की वारंटी खत्म हो गयी है उसकी ओर से चुनावों के दौरान दी जा रही गारंटी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

दूसरी ओर, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी कर्नाटक में सघन प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने मुस्लिम आरक्षण मुद्दे को उठाते हुए कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संवैधानिक दृष्टि से गलत है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा है कि आप अगर धार्मिक आधार पर आरक्षण देंगे तो किसका आरक्षण लेंगे लिंगायत का, सुप्रीम कोर्ट का या वोकालिग्गा का?

इसके अलावा, कर्नाटक में गर्माते चुनाव प्रचार के बीच अमर्यादित बयानों की बाढ़ भी आती जा रही है। मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री मोदी पर 'जहरीले सांप' वाली टिप्पणी पर हमला बोलते हुए कर्नाटक के बीजेपी विधायक बासनगौड़ा यतनाल ने यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी को 'विषकन्या' कह डाला है जिस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा है कि भाजपा को पता होना चाहिए कि सोनिया गांधी एक ऐसी मां हैं जिन्होंने इस देश की अखंडता के लिए अपने पति को खो दिया। उन्होंने कहा कि मैं यतनाल से माफी मांगने के लिए नहीं कहूंगा, मैं पीएम मोदी और सीएम बोम्मई से माफी मांगने के लिए कहूंगा। मैं बीजेपीअध्यक्ष जेपी नड्डा से कहना चाहूंगा कि यतनाल को पार्टी से निकालें।

सूडान से 1500 से ज्यादा भारतीयों का रेस्क्यू

खार्तूम । सूडान में सिविल वॉर के बीच ऑपरेशन कावेरी के तहत भारतीयों को निकाला जा रहा है। इसके चौथे दिन शुक्रवार सुबह 121 भारतीयों के 8वें बैच को आईएएफ सी130जे से जेद्दाह लाया गया। इस बैच में भारतीय एंबैसी में काम करने वालों के परिवार के 4 सदस्य भी शामिल थे। इसके बाद ड्डहस् तरकश पोर्ट सूडान से 326 भारतीयों को लेकर जेद्दाह के लिए रवाना हो गया है। सूडान के वादी सिदना से जेद्दाह पहुंचे भारतीयों से विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन ने एयरपोर्ट पर मुलाकात की। उन्होंने बताया कि इस बैच को सूडान से निकालना मुश्किल था, क्योंकि ये लोग राजधानी खार्तूम के पास फंसे थे जहां लड़ाई सबसे तेज है। वहीं दूसरी तरफ, कई बार सीजफायर लगने और उसका उल्लंघन होने के बीच सूडान में मिलिट्री और पैरामिलिट्री ने फिर से 72 घंटे के संघर्षविराम की घोषणा की है। सऊदी अरब और अमेरिका की तरफ से लगातार लड़ाई रुकवाने की कोशिशों के बीच ये घोषणा की गई।

नाइजीरियाई बंदूकधारियों ने 15 ग्रामीणों को मार डाला, 5 सहायता कर्मियों का किया अपहरण

अबुजा । नाइजीरिया के अशांत उत्तरी क्षेत्र में बंदूकधारियों ने अलग-अलग जगहों पर हमला कर 15 ग्रामीणों की हत्या कर दी और 5 सहायता कर्मियों का अपहरण कर लिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ सरकारी अधिकारी डेविड ओलोफू ने मीडिया को बताया कि हमलावर बेन्यू प्रांत के आपा इलाके में पहुंचे और ग्रामीणों के घरों में घुसकर उन पर गोलियां बरसाईं। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के शिकार लोगों में कई सैन्यकर्मी भी शामिल हैं। ओलोफू के मुताबिक गोलीबारी में कई घर तबाह हो गए और बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी जान बचाकर सुरक्षित स्थान पर भाग गए। बेन्यू में पिछले एक महीने में ऐसे हमलों में 80 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। अब तक किसी भी संगठन ने इन हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है। हालांकि, अधिकारियों का मानना है कि फुलानी चरवाहे इसके लिए जिम्मेदार हैं। बेन्यू में फुलानी जनजाति के चरवाहों के समूह और नाइजीरिया के मूल निवासियों के बीच पानी और जमीन को लेकर लंबे समय से संघर्ष चल रहा है। वहीं, पूर्वोत्तर नाइजीरिया में इस्लामिक चरमपंथियों ने बोर्नो प्रांत के नगला में 5 सहायता कर्मियों का अपहरण कर लिया। नगला में एक दशक से अधिक समय से सरकार के खिलाफ विद्रोह चल रहा है। अपहृत सहायता कर्मियों में अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन एफएचआई-360 के तीन कर्मी और दो ठेकेदार शामिल हैं। ये सभी नाइजीरिया के लोगों को जीवनरक्षक चिकित्सा देखभाल प्रदान करने का काम कर रहे थे। एफएचआई-360 ने अपने सहायता कर्मियों के अपहरण की निंदा की है। नाइजीरिया में संगठन के निदेशक इओरवा कवाघ अपेरा ने सहायता कर्मियों को बिना शर्त और तत्काल सुरक्षित रूप से आजाद करने की मांग की है।

बच्चों के सवाल पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जवाब देने में हुए भ्रमित

वॉशिंगटन । अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन व्हाइट हाउस में 'टेक योर चाइल्ड टू वर्क डे' पर बच्चों के ग्रुप में शामिल हुए। उन्होंने बच्चों का स्वागत किया। इस दौरान बच्चों ने बाइडेन से उनके निजी जीवन के बारे में भी प्रश्न पूछे। कुछ ने पूछा कि आपके कितने पोते-पोतियां हैं? तो किसी ने पूछा कि आपने आखिरी बार कौन से देश की यात्रा की। बाइडेन इस सवाल का उत्तर याद करते रह गए और कहने लगे कि यह ट्रैक करना मुश्किल है, लेकिन जब बच्चे ने जवाब दिया तो बाइडेन चकित रह गए, क्योंकि उत्तर सही था। यह वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब पसंद किया जा रहा है। बाइडेन से बच्चे ने पूछा कि पिछली बार आपने कौन से देश की यात्रा की? बाइडेन ने कहा कि आखिरी देश जिसकी मैंने यात्रा की है, मैं सोच रहा हूं मैं आखिरी बार किस देश में था? तब उन्होंने कहा कि मैं अब तक 89 राष्ट्राध्यक्षों से मिल चुका हूं, इसलिए मैं यह सोचने की कोशिश कर रहा हूं कि आखिरी जगह कहां था? यह ट्रैक रखना मुश्किल है, तभी एक बच्चे ने तुरंत कहा कि आयरलैंड! बाइडेन बोले, 'हां आप ठीक कह रहे हैं, आयरलैंड। यह वहीं था, इसके बाद भीड़ हंसने लगी। भीड़ में बाइडेन से पूछा गया कि उनके पोते और पोतियां कहां हैं। 6 बच्चों के दादा के बावजूद उन्होंने 5 ही बताए और इसके बाद कहा कि मैंने किसी को छोड़ दिया क्या? तब एक बच्चे ने यह भी याद दिलाया कि आपने सिर्फ 5 बताए, तब बाइडेन ने कहा कि मुझे नहीं पता, आप मुझे भ्रमित कर रहे हैं। हाल ही में जो बाइडेन ने घोषणा की है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति पद के लिए फिर से चुनाव की मांग करेंगे। बाइडेन पहले से ही अमेरिकी इतिहास के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति हैं। यदि वह 2024 में जीतते हैं, तो वह अपने दूसरे कार्यकाल के अंत में 86 वर्ष के हो जाएंगे।

अलास्का में अमेरिकी सेना के दो हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

ज्वाइंट बेस एल्मेंडोर्फ-रिचर्डसन। अमेरिकी सेना के दो हेलीकॉप्टर बृहस्पतिवार को एक प्रशिक्षण उड़ान से लौटते वक्त अलास्का में दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इस साल राज्य में सैन्य हेलीकॉप्टरों से जुड़ी यह दूसरी दुर्घटना है। अलास्का में अमेरिकी सेना के एक प्रवक्ता जॉन पेनेल ने बताया कि प्रत्येक हेलीकॉप्टर में दो लोग सवार थे। पेनेल ने कहा कि उनके पास हादसे की चपेट में आए लोगों की स्थिति के बारे में अभी कोई जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि हादसे की वजहों की जांच की जा रही है, जिसके बाद अधिक जानकारी उपलब्ध हो सकेगी। इससे पहले, अलास्का में फरवरी 2023 में एक अपाचे हेलीकॉप्टर के तालकीतना से उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त होने के कारण उसमें सवार दो सैनिक घायल हो गए थे।

सिंगापुर में फर्जी शादी करवाने के मामले में भारतीय मूल के बुजुर्ग को जेल

सिंगापुर सिटी। सिंगापुर में भारतीय मूल के एक 73 वर्षीय बुजुर्ग को प्रवासी लाभ हासिल करने के लिए अपने एक सहकर्मी और अपनी भतीजी की शादी कराने के आरोप में 6 महीने की सजा सुनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 में मीरान गनी नागूर पिचाई ने भारतीय मूल के अब्दुल कादर कासिम (55) को अपनी भतीजी नूरजान अब्दुल करीम (58) से शादी करने के लिए पूछा। नूरजान सिंगापुर की निवासी है और आर्थिक रूप से खराब स्थिति में थी। शादी के बदले में मीरान ने अपनी भतीजी को अपने सहकर्मी की प्रायोजक बनने को राजी कर लिया। मीडिया ने बुधवार को बताया कि नागूर ने अपनी भतीजी को अपने सहकर्मी का प्रायोजक बनाया, क्योंकि सिंगापुर में अल्पकालिक यात्रा पास के लिए आवेदकों को आमतौर पर एक स्थानीय प्रायोजक की आवश्यकता होती है, इससे सिंगापुर में प्रवास को प्रवेश की तारीख से 89 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है। अब्दुल अपने अल्पकालिक यात्रा पास का विस्तार करना चाहता था, जबकि नूरजान आर्थिक तंगी से गुजर रही थी। रिपोर्ट के अनुसार अब्दुल ने नूरजान को 25 हजार सिंगापुरी डॉलर का भुगतान किया और मीरान को एक हजार सिंगापुरी डॉलर मिले। इसके बाद 17 सितंबर 2016 को दोनों ने निकाह कर लिया। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले साल 28 सितंबर को मीरान को इमिग्रेशन एंड चेकपॉइंट्स अथॉरिटी (आईसीए) के अधिकारियों ने इमीग्रेशन एडवांटेज हासिल करने के लिए फायदे के लिए शादी कराने के आरोप में गिरफ्तार किया था। इस मामले में मीरान को 6 महीने जेल की सजा सुनाई गई और अब्दुल और नूरजान को भी क्रमश: छह और सात महीने की जेल की सजा हुई। सिंगापुर के कानून के अनुसार किसी को भी प्रवासी लाभ प्राप्त करने के लिए सौदेबाजी की शादी करने का दोषी पाए जाने पर 10 साल तक की जेल या 10 हजार सिंगापुर डॉलर तक का जुर्माना या दोनों हो सकता है।

यूएन ने तालिबान से महिलाओं पर लगे प्रतिबंध हटाने की अपील की

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने बृहस्पतिवार को एक प्रस्ताव को सर्वसम्मति से मंजूरी दी, जिसमें अफगानिस्तान के तालिबान शासकों से देश में महिलाओं और लड़कियों पर लगाए गए कठोर प्रतिबंधों को तेजी से हटाने की अपील की गई है। अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से महिलाओं के उच्च शिक्षा हासिल करने, उनके नौकरी करने और सार्वजनिक स्थानों पर अकेले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सुरक्षा परिषद ने संयुक्त राष्ट्र के लिए काम करने वाली महिलाओं पर तालिबान के प्रतिबंध की निंदा की और प्रस्ताव में इस निर्णय को संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में अप्रत्याशित बताया।

लंदन में अपनी मांगों के समर्थन में बैनर लेकर धरना देती हुई रॉयल कॉलेज ऑफ नर्सिंग की सदस्य।

पेंस ने चुनाव परिणाम पलटने की ट्रंप की कोशिशों के मामले में गवाही दी

-पेंस ने 2024 के अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में होंगे शामिल

वाशिंगटन । अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति माइक पेंस ने 2020 के राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को पलटने की तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सहयोगियों की कोशिशों की जांच कर रही संघीय ग्रांड जूरी के समक्ष बृहस्पतिवार को गवाही दी। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने मीडिया को यह बताया। ट्रंप के साथ काम कर चुके पेंस की गवाही न्याय विभाग की जांच में अहम साबित हो सकती है तथा इससे अभियोजकों को अमेरिकी संसद परिसर में छह जनवरी 2021 को हुए विद्रोह के लिए जिम्मेदार घटनाक्रम को जानने में मदद मिल सकती है। वहीं पेंस ने 2024 के राष्ट्रपति पद के चुनाव की दौड़ में शामिल होने के संकेत दिए हैं। उन्होंने संकेत दिए हैं कि वह इन चुनावों में रिपब्लिकन पार्टी के नेता ट्रंप के खिलाफ खड़े हो सकते हैं। पेंस ने ऐसे वक्त में गवाही दी है, जब इससे पहले एक संघीय अपीलीय अदालत ने पेंस की गवाही को रोकने के ट्रंप के वकीलों के प्रयास को खारिज करते हुए सीलबंद लिफाफे में आदेश दिया था।

वीटो का पॉवर केवल 5 स्थायी सदस्यों को दिया जाना अन्य देशों की संप्रभु समानता की अवधारणा के विपरीत: भारत

-यूएनएससी में वीटो का इस्तेमाल नैतिक दायित्वों से नहीं, राजनीतिक विचारों से प्रेरित है: भारत

जिनेवा (एजेंसी)। भारत ने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो का इस्तेमाल नैतिक दायित्वों के आधार पर नहीं, बल्कि राजनीतिक विचारों के आधार पर किया जाता है और वीटो इस्तेमाल करने का अधिकार केवल पांच स्थायी सदस्यों को दिया जाना देशों की संप्रभु समानता की अवधारणा के विपरीत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थानीय मिशन में सलाहकार प्रतीक माथुर ने 193 सदस्यीय महासभा द्वारा 'वीटो पहल' को पारित किए जाने के एक साल बाद बुधवार को 'वीटो के इस्तेमाल' पर आयोजित महासभा की बैठक में कहा कि पिछले 75 साल से अधिक समय में सभी पांच स्थायी सदस्यों ने अपने-अपने राजनीतिक हित साधने के लिए वीटो का इस्तेमाल किया है।

कुल 15 देशों वाली सुरक्षा परिषद के केवल पांच स्थायी सदस्य चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका हैं और उन्हीं के पास वीटो इस्तेमाल करने का अधिकार है। शेष 10 सदस्य दो साल के लिए अस्थायी रूप से चुने जाते हैं और उनके पास वीटो का अधिकार नहीं है। माथुर ने कहा कि वीटो का इस्तेमाल नैतिक दायित्वों से नहीं, बल्कि राजनीतिक विचारों से प्रेरित होता है। जब तक यह अस्तित्व में है, वीटो का अधिकार रखने वाले सदस्य देश ऐसा करते रहेंगे, भले ही कितना भी नैतिक दबाव क्यों न हो। जब 'वीटो पहल' संबंधी प्रस्ताव पारित किया गया था, उस समय भारत ने प्रस्ताव को पेश करने में समावेशिता की कमी पर खेद व्यक्त किया था।

माथुर ने दोहराया कि वीटो संबंधी प्रस्ताव दुर्भाग्य से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों संबंधी सीमित दृष्टिकोण को दर्शाता है और यह समस्या के मूल कारण की अनदेखी करते हुए एक ही पहलू को उजागर करता है। उन्होंने कहा कि वीटो इस्तेमाल करने का विशेषाधिकार केवल पांच सदस्यों को दिया गया है। यह देशों की संप्रभु समानता की अवधारणा के विपरीत है और द्वितीय विश्व युद्ध की केवल इस मानसिकता को बनाए रखता है कि 'लूटा गया सामान केवल विजेता का होता है'।

माथुर ने यूएनएससी सुधारों पर अंतर-सरकारी वार्ताओं में अफ्रीका के रुख को उद्धृत करते हुए कहा कि सैद्धांतिक रूप से वीटो को समाप्त कर दिया जाना चाहिए। बहरहाल, आम न्याय की बात करें, तो जब तक यह बना रहता है, तब तक इसमें नए स्थायी सदस्यों को शामिल करके उन्हें भी यह अधिकार दिया जाना चाहिए। माथुर ने जोर देकर कहा कि मतदान के अधिकार के संदर्भ में या तो सभी राष्ट्रों के साथ समान व्यवहार किया जाए या फिर नए स्थायी सदस्यों को भी वीटो का अधिकार दिया जाना चाहिए।

माथुर ने कहा कि हमारे विचार में नए सदस्यों को वीटो का अधिकार दिए जाने से परिषद की प्रभावशीलता पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत ने वीटो के सवाल सहित यूएनएससी सुधार के सभी पांच पहलुओं से आईजीएन (अंतरसरकारी वार्ता) प्रक्रिया में स्पष्ट रूप से परिभाषित समय-सीमा के जरिए व्यापक तरीके से निपटने की आवश्यकता को रेखांकित किया। ये पांच पहलू हैं सदस्यता की श्रेणियां, वीटो का सवाल, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, एक विस्तृत परिषद का आकार एवं परिषद के काम करने के तरीके और सुरक्षा परिषद एवं महासभा के बीच संबंध।

रूस ने यूक्रेन पर एक दिन में दागीं 23 मिसाइलें

-2 बच्चों समेत 13 की मौत, ये 2 महीनों में किया गया सबसे बड़ा अटैक

कीव (एजेंसी)। रूस ने शुक्रवार को यूक्रेन पर एक के बाद एक 23 मिसाइलों से हमला किया। इसमें अलग-अलग शहरों में 2 बच्चों समेत 13 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक उमान शहर में 10 लोगों की मौत हुई। जबकि 9 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

निप्रो में मिसाइल ने एक घर को चपेट में ले लिया जिससे एक 2 साल की बच्ची और उसकी मां की मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हुए। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। यूक्रेन की राजधानी कीव और क्रेमेनचुक शहर में भी धमाके हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया की रूसी मिसाइलों के हमले में 10 रहवासी इमारतें भी चपेट में आई हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा कि शैतानों को केवल हथियारों से रोका जा सकता है, रूस पर पाबंदियां बढ़ानी चाहिए। वहीं कीव शहर के मिलिट्री प्रशासन ने के मुताबिक पिछले 51 दिनों में यह यूक्रेन की राजधानी पर हुआ पहला हमला है। हमले में तबाह हुई इमारत में रहने वाले एक व्यक्ति ने रॉयटर्स को बताया कि हमला इतना तेज था कि आसपास सब कुछ हिलने लगा, फिर एकदम से धमाका हुआ। वहीं, एक दूसरे व्यक्ति ने बताया कि उसने पहले धमाका सुबह 4:30 पर सुना था। दो बहुत तेज धमाके हुए थे, जिनमें आसपास के सब चीजें जल्दी शुरू हो गई।

2 दिन पहले जेलेंस्की ने की थी शी जिनपिंग से बात

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बुधवार को यूक्रेन के प्रेसिडेंट वोलोदिमिर जेलेंस्की से फोन पर बातचीत की थी। न्यूज एजेंसी के मुताबिक- बातचीत के दौरान फोकस रूस-यूक्रेन जंग पर ही रहा। बातचीत के बाद जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा- चीन के प्रेसिडेंट से काफी लंबी और अहम मुद्दों पर चर्चा हुई। हमने रूस के हमले और यूक्रेन के हालात पर बातचीत की। हम चाहते हैं कि चीन के साथ अच्छे रिश्ते हों। जेलेंस्की ने आगे कहा- जिनपिंग से आज की बातचीत और चीन में यूक्रेन के एम्बेसेडर का अपॉइंटमेंट अहम मुद्दे हैं, जो ये बताते हैं कि हम दोनों ही देश साथ चलना चाहते हैं।

बाजवा के बयान पर हामिद के खुलासा पर पाकिस्तानी सेना की सफाई

-पाकिस्तानी सेना हमेशा जंग के लिए तैयार

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा के सेना की कंगाली और टैंकों की खराब हालत पर खुलासे से बवाल मचा हुआ है। पाकिस्तान में अब जहां बाजवा के कोर्ट मार्शल की मांग उठ रही है, वहीं अब पाकिस्तानी सेना ने इस बयान पर सफाई दी है। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि बाजवा के अनौपचारिक बयान को गलत तरीके से पेश किया गया है। पाकिस्तान के सभी हथियार युद्ध के लिए तैयार हैं।

पाकिस्तानी सेना की प्रोपेगैंडा विंग आईएसपीआर ने कहा कि पाकिस्तानी सेना पहले भी अपने हथियार, उपकरणों और सैनिकों को इस तरह से तैयार करते हैं कि वे पाकिस्तान की रक्षा कर सकें और इस आगे भी किया जाना जारी रहेगा। पाकिस्तानी सेना ने यह सफाई उस समय पर दी है जब जनरल बाजवा के टैंकों की हालत के बारे में दिए गए बयान के चर्चित पत्रकार हामिद मीर के सामने लाने के बाद उसकी जमकर किरकिरी हो रही है। हामिद मीर ने एक शो में बाजवा को लेकर बड़ा खुलासा किया था।

पत्रकार मीर ने कहा कि पाकिस्तान के 25 पत्रकारों के सामने तत्कालीन आर्मी चीफ जनरल बाजवा ने खुलासा किया था कि पाकिस्तानी सेना और टैंक इस हालत में नहीं हैं कि वे भारतीय सेना के साथ जंग लड़ सकें। मीर ने बताया, बाजवा ने हमसे कहा था कि टैंक चलने की हालत में नहीं हैं। सैनिकों को एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाने के लिए डीजल नहीं है। मीर ने कहा कि 20 से 25 लोगों के सामने बाजवा ने बताया था कि पाकिस्तानी सेना युद्ध लड़ने की स्थिति में नहीं है।

भारत और लातिन अमेरिका के बीच व्यापार पहुंचा लगभग 50 अरब डॉलर: एस जयशंकर

-लातिन अमेरिका के साथ व्यापार संबंध बढ़ाना चाहता है भारत : विदेश मंत्री जयशंकर

बोगोटा (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और लातिन अमेरिका के बीच व्यापार 50 अरब डॉलर तक पहुंचने वाला है और भारत इसे और बढ़ाना चाहता है। उन्होंने बताया कि भारत की कंपनियां यहां ऊर्जा, खनन, कृषि और वाहन जैसे क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं। कोलंबिया की राजधानी में भारत-कोलंबिया बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि लातिन अमेरिका के चार दिवसीय दौरों की यात्रा का उद्देश्य इस क्षेत्र के साथ भारत के सहयोग को और बढ़ाने के तरीके खोजना है।

जयशंकर ने कहा कि आज यहां आने का हमारा उद्देश्य लातिन अमेरिका में भारत की बढ़ती मौजूदगी को रेखांकित करना है। हमारे बीच व्यापार 50 अरब डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर तक पहुंचने जा रहा है। हमारी कंपनियां इस क्षेत्र में ऊर्जा से लेकर खनन और कृषि से लेकर वाहन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर निवेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक व्यापार की बात है तो हम निश्चित ही इसे बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन हमें यह निर्णय लेना है कि निवेश कब, कहां और कितना करना है। भारत और कोलंबिया के ऐसे क्षेत्र में मिलकर काम किया जा सकता है। जयशंकर ने कहा कि भारत में भी चिकित्सा एवं सेहत बनाने के परंपरागत तौर-तरीके चलन में हैं, जिनका व्यावसायिक उपयोग हो सकता है।

विदेश मंत्री ने कोलंबिया के निवेशकों से कहा कि भारत में डिजिटल क्षेत्र में भी अभूतपूर्व प्रगति देखने को मिली है। आज भारत नवोन्मेष और स्टार्टअप का केंद्र बना है। यह 100 यूनिकॉर्न की भूमि है और इनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। यदि आपकी दिलचस्पी साइबर सुरक्षा, कृत्रिम मेधा, ड्रोन या अंतरिक्ष संबंधी कार्यों में है तो भारतीय व्यापारियों से संपर्क करना लाभदायक होगा। जयशंकर गुयाना, पनामा, कोलंबिया और डोमिनिकन रिपब्लिक की नौ दिनों की यात्रा पर है। विदेश मंत्री के रूप में लातिन अमेरिकी देशों तथा कैरिबियाई क्षेत्र की उनकी यह पहली यात्रा है।

हजारों करोड़ खर्च होगा किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक, इसबात से करदाता परेशान

-ढाई किलो वजन का सॉलिड सोने से बना मुकुट पहनेंगे किंग चार्ल्स

लंदन (एजेंसी)। इस साल एलिजाबेथ द्वितीय के निधन और शोक-समारोह के तुरंत बाद से किंग चार्ल्स के राज्याभिषेक की तैयारियां शुरू हो गईं। 6 मई को चार्ल्स आधिकारिक तौर पर ब्रिटेन के राजा बन जाएंगे। ये राज्याभिषेक कोई मामूली बात नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए बड़ा समारोह है। इस दौरान राजा-रानी को क्राउन पहनाया जाता है, और दर्शक गॉड सेव द किंग के नारे लगाते हैं।

इस भव्य आयोजन पर करोड़ों रुपए खर्च होने वाले हैं, इस लेकर लोग इस बार परेशान हो रहे हैं। असल में ब्रिटेन में कई दशकों बाद खाने की कीमतों में सबसे बड़ा उछाल आया है। पूरा देश महंगाई से जूझ रहा है। यहां तक कि नौबत ये आ गई कि लोग अपने खाने के लिए फूड बैंक पर निर्भर हो गए हैं। ये फूड बैंक कुछ चैरिटी संस्थाएं चलाती हैं। पहले ये फूडबैंक होमलेस लोगों और बच्चों तक खाना पहुंचाया करते, लेकिन अब आम लोग तक खाने पीने के लिए फूड बैंकों तक पहुंच रहे हैं। जब पूरा देश बदहाली से जूझ रहा है, तभी किंग का राज्याभिषेक होने जा रहा है।

अनुमान है कि ताजपोशी में लगभग सौ मिलियन पाउंड (हजार करोड़) का खर्च आएगा। चूंकि ये समारोह देश की जिम्मेदारी है, तब इसका खर्च भी करदाता उठाएंगे। इससे पहले साल 1953 में क्वीन एलिजाबेथ द्वितीय की ताजपोशी में ब्रिटिश सरकार ने लगभग डेढ़ मिलियन पाउंड खर्च किए थे। ये आज के हिसाब से 50 मिलियन पाउंड के करीब है, यानी सवा पांच सौ करोड़ रुपए खर्च हुए थे।

टैक्सदाताओं की परेशानी रॉयल फैमिली की नजर में है। इसकारण राज्याभिषेक का आयोजन करने वाली कमेटी ऑपरेशन गोल्डन ऑर्ब ने इस बारे में कई बातें साफ कीं। उनका कहना है कि समारोह को काफी छोटा बनाने की कोशिश की जाएगी, लेकिन सुरक्षा पर खर्च करना ही होगा। असल में पूरा प्रोसेस कई घंटे लंबी होगी, जिसमें 2 हजार से ज्यादा मेहमान आएंगे। इसके बाद सुरक्षा बड़ा मुद्दा हो सकता है। ये भी तर्क दिया जा रहा है कि करदाताओं पर उतना बोझ नहीं पड़ेगा क्योंकि ताजपोशी का समारोह टीवी पर दिखाया जाएगा। इसका सारा अधिकार ब्रिटिश सरकार के पास होगा। इसके अलावा टूरिज्म भी बढ़ेगा। दूसरे देश से आ रहे लीडर्स के अलावा बहुत से आम लोग भी अभिषेक देखने या कवर करने आएंगे। इसके लिए काफी पहले से होटल भी बुक होने लगे हैं। एक अंदाज है कि इससे जो पैसे आएंगे, वहां हजार करोड़ रुपयों से कहीं ज्यादा होगा और टैक्सपेयर्स उतनी तकलीफ में नहीं रहेगा। लेकिन फिलहाल ये सिर्फ एक अनुमान है। ब्रिटेन का ये समारोह यूरोप और लगभग पूरी दुनिया में अपनी तरह का अनोखा और सबसे भव्य समारोह है। लगभग हजार सालों से इसमें एक जैसी रस्में होती आई हैं। बस, हर बार मेहमानों की संख्या और लिस्ट बदल जाती है। इस दौरान किंग चार्ल्स और क्वीन कैमिला घोड़े से चलने वाले रथ पर लगभग 40 मिनट तक एक से दूसरे पॉइंट तक चलने वाले हैं। ये मॉडर्न रथ होगा, जिसका ज्यादा कंट्रोल मैनुअल होगा। इसमें इलेक्ट्रिक विंडो और एसी भी लगा होगा। पैलेस पहुंचने पर किंग को 700 साल पुरानी कुर्सी पर बैठाया जाएगा, जिसके बाद पवित्र जल से उनका अभिषेक होगा और ताज पहनाया जाएगा। इस दौरान 7 अलग-अलग तरह की धुनें बजेंगी और सेना सलामी देगी। ये 17वीं सदी का सेंट एडवर्ड क्राउन है, जो सॉलिड गोल्ड से बना हुआ है। लगभग ढाई किलो वजन का ये मुकुट आम मौकों नहीं, सिर्फ राज्याभिषेक के दौरान पहना जाता है, जो कि प्रतीकात्मक होता है। इसके बाद मुकुट को सहेजकर रख दिया जाता है। इसके अलावा एक और मुकुट होगा, इस इंपीरियल स्टेट क्राउन कहते हैं। ये ताजपोशी के आखिर में पहना जाएगा।

संपादकीय

दो सुविचार

स्वयं की शक्तियों का जब हमें अनुमान होता है तब सफ़र निज लक्ष्य का सचमुच बड़ा आसान होता है ।स्वयं की शक्तियों का जब हमें आभाष होता है स्वयं के प्रति हमारा दृढ़ सघन विश्वास होता है । तभी तो कहा है कि घर में आगन्तुक सम्माननीय मेहमान का उनके आने पर आदर-सन्मान पॉव छू कर ही किया जाए तथा साथ में हमारे द्वारा मोबाईल एक तरफ़ रख देना भी उनके प्रति कम आदर-सन्मान नहीं हैं । वो भी एक युग था जब सभ्यता और शिक्षा कम थी और आम आदमी की जीविका चलाने के लिये वस्तुओं का आदान प्रदान ही माध्यम था।

उस युग में प्रगति कम थी पर पारस्परिक स्नेह और मन की शांति बहुत थी।मन के अंदर छल कपट,व्यभिचार और संग्रह की सीमा आदि नहीं के बराबर थी। समय के साथ हर क्षेत्र में परिवर्तन हुआ तो पारस्परिक सहयोग की भावना का भी ह्रास होता जा रहा है । सामूहिक पारस्परिक सहयोग के प्रयत्नों द्वारा ही व्यक्ति अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति करते हुए विकास एवं उन्नति कर सकता हैं ।भले ही बड़ा हो या छोटा, लाभ के लिए हो अथवा गैर-लाभ वाला, सेवा प्रदान करता हो अथवा विनिर्माणकर्ता आदि सभी के लिए यह आवश्यक है। इसलिए आवश्यक है कि व्यक्ति सामूहिक उद्देश्यों की पूर्ति में पारस्परिक सहयोग कर अपना श्रेष्ठतम योगदान दे । पारस्परिक सहयोग से संबंधित वह सभी कार्य सम्मिलित हैं जिसमे हम सभी एक दूसरे की मदद करने को सदैव तत्पर रहे चाहे वह सामाजिक क्षेत्र हो, चाहे व्यावसायिक क्षेत्र हो या हो पारिवारिक स्तर आदि ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

महंगाई पर मौसम भारी

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि आपूर्ति से जुड़ी मौसमी समस्याओं के कारण महंगाई बढ़ी है, और जरूरी सामान के दामों में नरमी लाने के प्रयासों के साथ स्थिति पर बराबर नजर रखी जा रही है। महंगाई और नीचे लाने के उपायों की बाबत बुधवार को एक संवाददाता सम्मेलन में पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में मौसमी स्तर पर आपूर्ति संबंधी समस्याओं के कारण महंगाई बढ़ी है। कोविड़ तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक बाजारों में महंगाई का रुख बनने का असर भी भारत में सामानों के दामों पर पड़ा। गौरतलब है कि भारत को ईधन और प्राकृतिक गैस आयात करना पड़ता हैग और कोविड़ और रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक बाजार में इन उत्पादों के दामों में तेजी आई। घरेलू बाजार में इनके दामों में तेजी का रुख कमजोर करने की गरज से नवम्बर, 2021 में ईधन पर लगने वाले आयात शुल्क में कटौती की गई। नतीजतनग दीपावली के दौरान महंगाई ज्यादा कचोटने नहीं पाई। दरअसल, आयातित कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के ऊंचे दाम घरेलू बाजार में महंगाई भड़काने न पाए इसके लिए मंत्रियों का समूह लगातार स्थिति पर नजर रखता है। जून्न 2022 में भी महंगाई काबू में रखने के लिए कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस पर आयात शुल्क में कटौती की गई थी। चावल के दाम में तेजी आने पर सरकार ने बफर स्टाक से तत्काल चावल जारी करके कीमतों को काबू में रखने का प्रयास किया। और उसमें सफल भी हुई। दामों पर अंकुश लगाने की सतत कोशिशों का ही नतीजा है कि उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति छह फीसदी से घटकर 5.8 फीसदी पर आ गई। हाल में अति मौसमी स्थितियों ने गेहूं और सब्जियों की फसल को खासा नुकसान पहुंचाया। फसल को मौसमी नुकसान संबंधी शुरुआती सूचनाएं गहरी चिंता में ड़ाल देने वाली थीं। ड़र के माहौल में जमाखोर सक्रिय हो जाते हैं, और चीजों की कमी बताकर दाम भड़काने के प्रयास किए जाते हैं। लेकिन सरकार ने तत्परता से वस्तुस्थिति सामने रखते हुए आश्वस्त किया कि मौसमी नुकसान इतना नहीं है कि महंगाई बेकाबू हो जाए। फिर गेहूं और खाद्यान्नों का पर्याप्त भंड़ार महंगाई के बरक्स निश्चिंत बने रहने की बड़ी आश्वस्ति है।

सूक्ति

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
- एलेअनोर रूज़वेल्ट

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
- अमरीकी कहावत

चिंतन-मनन

धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गईं।

ह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया।

उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

'मन की बात' के माध्यम से लोगों को स्वस्थ भारत की प्रेरणा

डॉ. विनोद के. पॉल

स्वास्थ्य और विकास आपस में जुड़े हुए हैं- केवल स्वस्थ नागरिक ही किसी राष्ट्र के समग्र विकास में योगदान कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार इस आदर्श के लिए प्रतिबद्ध है और भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को भविष्य के लिए तैयार करने के लिए अथक प्रयास किया है। प्रधानमंत्री हमारे लोगों के स्वास्थ्य में लगातार सुधार पर अत्यधिक जोर देते हैं और उन्होंने भारत की स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार के लिए प्राथमिकता से संचालित कार्यवाही सुनिश्चित की है। सरकार ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र को मजबूत करने के लिए गहरे संरचनात्मक और निरंतर सुधार किए हैं और देश भर में सैचुरेशन लेवल का कवरेज प्राप्त करने के लिए अनुकूल रणनीतियों को भी लागू किया है।

सरकार के सकारात्मक दृष्टिकोण से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन हुआ है। आज, केवल बीमारों का इलाज करने के बजाय हेल्थ एंड वैलनेस दोनों पर ध्यान दिया जाता है। भारत के हेल्थकेयर इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा कई योजनाएं शुरू की गई हैं। सरकार द्वारा वित्तपोषित दुनिया का सबसे बड़ा स्वास्थ्य कार्यक्रम-आयुष्मान भारत (एबी-पीएमजेएवाई), प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम), आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), एक मजबूत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए), ई-संजीवनी ओपीडी और प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी), ऐसी कुछ पहल हैं, जो सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में चौतरफा परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए की हैं।

2014 से (387 से 655 तक) मेडिकल कॉलेजों में 69 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रस्तावित 22 नए एम्स में से 19 चालू हैं। 35 करोड़ से अधिक नागरिकों का डिजिटल स्वास्थ्य खाता (आभा, एबीएचए) बनाया गया है। टेलीमेडिसिन के तहत ई-संजीवनी को मुख्यधारा ने अपनाया है और अब तक 11 करोड़ रोगियों ने इस सेवा का लाभ उठाया है। आयुष्मान भारत हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर (एचडब्ल्यूसी) पहल के तहत, 156,000 उप-केंद्रों (एससी) और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में बदलाव आया है। एक नया मध्य स्तरीय स्वास्थ्य पेशेवर, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी तैनात किया गया है। उप केन्द्रों में एचडब्ल्यूसी को 105 दवाएं और 14 डायग्नोस्टिक परीक्षण प्रदान करना अनिवार्य है, और पीएचसी में वे 172 मुफ्त दवाएं और 63 मुफ्त डायग्नोस्टिक परीक्षण प्रदान करते है।

सभी सरकारी योजनाओं का मूल्य केवल उनके अंतिम-मील तक वितरण के माध्यम से महसूस किया जाता है। इसके लिए सक्रिय स्वामित्व और लोगों की भागीदारी की आवश्यकता है। इस संबंध में, प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' कार्यक्रम के माध्यम से जनता से जुड़ने के साधन के रूप में रेडियो की क्षमता का बेहतर उपयोग किया है, जिसका वर्षों से एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण में व्यापक प्रभाव पड़ा है।

इस कार्यक्रम के माध्यम से उन्होंने बार-बार लोगों के बीच अच्छे स्वास्थ्य के विचार का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी का मानना है कि 'स्वास्थ्य का अर्थ केवल रोगों से मुक्ति नहीं है। स्वस्थ जीवन हर व्यक्ति का अधिकार है।' उन्होंने विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए 'मन की बात' का व्यापक रूप से उपयोग किया है और यह भी बताया है कि किस प्रकार उन्होंने देश भर में, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में करोड़ों लोगों को लाभान्वित किया है।

'मन की बात' के एक एपिसोड में प्रधानमंत्री ने अंग प्रत्यारोपण की बात की। उन्होंने नागरिकों को अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए और अधिक अंगदान के लिए प्रेरित किया। दो परिवारों के साथ उनकी मार्मिक बातचीत, जिनके परिजनों ने दूसरों को जीवन देने के लिए अंगदान किया, मेरी आंखों में आंसू आ गए। लोगों को प्रधानमंत्री में एक दोस्त और एक मार्गदर्शक आवाज मिली है और जब वह 'मन की बात' के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन और देखभाल की बात करते हैं, तो राष्ट्र वास्तव में सुनता है और कार्य करता है।

मुझे याद है कि प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' पर आयुष्मान भारत के लाभार्थियों के साथ बातचीत की थी, जिन्होंने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा को किफायती बनाने के लिए आभार व्यक्त किया था। इस तरह की बातचीत कल्याणकारी योजना के लाभ प्राप्त करने में संभावित लाभार्थियों के विश्वास को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे भारत के सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) को प्राप्त करने के सपने को बढ़ावा मिलता है। स्टेंट इम्प्लांटेशन और घुटने की सर्जरी की लागत कम करने और लगभग 10 करोड़ परिवारों को इलाज के लिए 5 लाख रुपये के बीमा के प्रावधान की प्रधानमंत्री की घोषणा दूर-दूर तक सुनाई दी। आज, आयुष्मान भारत योजना ने 4.8 करोड़ से अधिक व्यक्तियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच की सुविधा प्रदान की है।

जब केंद्र सरकार ने 2018 में 'पोषण अभियान' शुरू किया, तो प्रधानमंत्री ने बच्चों और माताओं के बीच पोषण संबंधी संकेतकों में सुधार के लिए जन आंदोलन का आह्वान किया। तब से, कई स्वयं सहायता समूहों और आंगनवाड़ी केंद्रों ने देश के बच्चों को कुपोषण और स्टंटिंग से मुक्त करने के लिए अद्वितीय और लक्षित समाधान खोजे हैं। जब असम से 'प्रोजेक्ट संपूर्ण' और मध्य प्रदेश से 'पोषन मटका' जैसी पहलों को लेकर 'मन की बात' में चर्चा की गई तो कई अन्य राज्यों के संगठनों ने अपने क्षेत्र में इसी तरह के मॉडल को दोहराया। इतना ही नहीं, इस तरह की मान्यता ने और लोगों का मनोबल बढ़ाकर उन्हें मौजूदा आंदोलनों में ला दिया।

भारत में पारंपरिक चिकित्सा का एक लंबा इतिहास है, जो हजारों साल पहले का है। सरकार ने रोकथाम, कल्याण और उपचार में आयुष प्रणालियों के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रधानमंत्री के 'मन की बात' का संवाद हमारी पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणालियों के बारे में देशवासियों के बीच अभूतपूर्व जागरूकता पैदा करने में सहायक रहा है। इसने समग्र स्वास्थ्य सेवा की बढ़ती मांग और आयुष उत्पादों के उपयोग में भारी वृद्धि में योगदान दिया है। स्वस्थ जीवन के बड़े उद्देश्य के लिए पारंपरिक और आधुनिक प्रणालियों के बीच तालमेल बैठाने के लिए अब मांग बढ़ रही है।

कोविड-19 महामारी के दौरान 'मन की बात' का एक सशक्त राष्ट्रव्यापी प्रभाव देखा गया। मास्क पहनने और सोशल डिस्टेंसिंग में लोगों के सहयोग से लेकर, फ्रंटलाइन वर्कर्स के प्रयासों को स्वीकार करते हुए, लोगों को टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने तक, 'मन की बात' ने एक माध्यम के रूप में आशा, संकल्प और विश्वास के अग्रदूत के रूप में अपनी भूमिका साबित की है। प्रधानमंत्री ने कोविड-19 महामारी के विरुद्ध संघर्ष को लेकर राष्ट्रीय प्रत्युत्तर के लिए स्पष्ट मार्गदर्शन के साथ एक मजबूत और निर्णायक नेतृत्व प्रदान किया। उन्होंने उस कठिन समय में परिवार के देखभाल करने वाले बुजुर्ग के रूप में लोगों के साथ व्यक्तिगत संपर्क बनाने के लिए 'मन की बात' मंच का उपयोग किया।

'मन की बात' स्वस्थ भारत के लिए राष्ट्रीय एकता के निर्माण का सशक्त माध्यम बन गया है। जब प्रियंका प्रियदर्शिनी ने 'मन की बात' पर नि-क्षय मित्र के बारे में सुना, तो उन्होंने पांच रोगियों को स्वस्थ बनाने में उनका समर्थन करने के उद्देश्य से उन्हें गोद लिया!

प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में टीबी से लेकर कालाजार तक और स्वच्छता से लेकर समग्र स्वास्थ्य से जुड़े कई विशिष्ट विषयों को छुआ है। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के संवेदनशील मुद्दे पर भी बात की। प्रधानमंत्री ने इस 'वर्जित' विषय पर चर्चा की और लोगों को खुली बातचीत करने और कठिन मानसिक स्थिति में मदद करने के लिए प्रोत्साहित किया।

हाल ही में 'मन की बात' के एक एपिसोड में प्रधानमंत्री ने अंग प्रत्यारोपण की बात की। उन्होंने नागरिकों को अंग प्रत्यारोपण को बढ़ावा देने के लिए और अधिक अंगदान के लिए प्रेरित किया। दो परिवारों के साथ उनकी मार्मिक बातचीत, जिनके परिजनों ने दूसरों को जीवन देने के लिए अंगदान किया, मेरी आंखों में आंसू आ गए। लोगों को प्रधानमंत्री में एक दोस्त और एक मार्गदर्शक आवाज मिली है और जब वह 'मन की बात' के माध्यम से स्वास्थ्य संवर्धन और देखभाल की बात करते हैं, तो राष्ट्र वास्तव में सुनता है और कार्य करता है।

(लेखक, नीति आयोग के सदस्य हैं।)

विचार मंथन

भारत में समलैंगिक जोड़ो को मिले कानूनी मान्यता

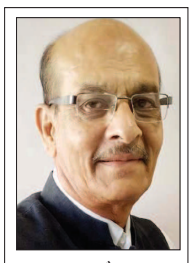

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट में विशेष विवाह कानून के जरिए समलैंगिकों को, विवाह के कानूनी अधिकार दिए जा सकते हैं, या नहीं। इस पर लगातार सुप्रीम कोर्ट में बहस चल रही है। याचिकाकर्ताओं के वकील मुकुल रोहतगी का कहना है, समुदाय को मूलभूत अधिकारों के तहत शादी का अधिकार दिया जाना चाहिए। जिस की गारंटी संविधान के अनुच्छेद 14- 19 ओर 21 में दी गई है । विशेष विवाह अधिनियम 1954 में अंतर धार्मिक और अंतर जाति विवाह को पंजीकृत करने की कानूनी मान्यता मिली हुई है। विशेष विवाह अधिनियम में स्त्री और पुरुष के बीच में विवाह होने का प्रावधान है। उसमें समलैंगिक नहीं आते हैं। समलैंगिक शादी में जेंडर की समानता होने से पति और पत्नी की पहचान, एक दूसरे के अधिकार उनके दायित्व, शादी की उम्र धार्मिक एवं सामाजिक व्यवस्था को लेकर तरह-तरह के तर्क दिए जा रहे है। सामाजिक तौर पर यह कहा जा रहा है, कि यदि समलैंगिक शादियों को कानूनी मान्यता दी गई। तो सामाजिक एवं धार्मिक व्यवस्था में एक नया बिखराव पैदा होने की संभावना व्यक्त की जा रही हैं।

वास्तव में समलैंगिक जोड़े में शादी को लेकर वैचारिक समानता एवं एक दूसरे के प्रति स्नेह, आपसी विश्वास से वह एक साथ रहना चाहते हैं। एक साथ रहकर वह अपने सीमित दायित्व के साथ, अलग सोच रखते हुए परिवार और समाज के बनाए हुए, नियमों से दूर रहकर, स्वतंत्र जीवन जीना चाहते हैं। इसमें शारीरिक संबंध कम और मानसिक संबंधों का ज्यादा जुड़ाव होता है। पति पत्नी के बीच में जो शारीरिक संबंध के बाद संपत्ति के साथ प्रेम उत्पन्न होता है। जो एक दूसरे के प्रति जिम्मेदारियों का बोध कराता है। परिवार बढ़ाने का जो दायित्व, परिवार और समाज उन के माध्यम से पूरा कराना चाहता है। वह स्त्री एवं पुरुष के बीच के होने वाले विवाह के लिए तैयार होते हैं। समलेंगिक जोड़े मानसिक आधार पर एक दूसरे के प्रति प्रेम से आसक्त होकर आनंद अनुभव करते है। वह किसी तीसरे का हस्तक्षेप स्वीकार नहीं करना चाहते हैं। इसके लिए उन्हें बाध्य भी नहीं किया जा सकता है। समलैंगिक सेक्स संबंध कोई नई बात नहीं है। यह हमेशा से होते आए हैं, और आगे भी होते रहेंगे। समय परिस्थिति और काल इस तरह के बदलाव देखने को मिलते रहे हैं। समलैंगिक संबंधों में वैवाहिक अथवा कानूनी मान्यता को लेकर समलैंगिक जोड़े एक दूसरे के प्रति सुरक्षा और अपने दायित्व का निर्वहन करना चाहते हैं। एक दूसरे के निजी अधिकारों को सुरक्षित रखने की भावना से वह कनूनी मान्यता की मांग कर रहे हैं। उनकी यह मांग पूरी तरह सही है, उन्हें अधिकार मिलने ही चाहिए।

समलैंगिक जोड़े जो देखने में आते हैं। वह पढ़े लिखे और आत्मनिर्भर होते हैं। वह एक दूसरे के प्रति पूर्णता-समर्पित होते हैं। आम वैवाहिक जोड़ों की तुलना में उनके संबंध ज्यादा मजबूत, बिना किसी बंधन के होते हैं। दोनों ही एक दूसरे की भावनाओं का सम्मान करते हैं। जिसके कारण वह साथ में रहने में ज्यादा आनंद महसूस करते हैं। जिसके लिये वह अपने परिवार को भी छोड़ने तैयार हो जाते है।

समलैंगिक जोड़े के रूप में यदि वह साथ में रहना शुरू कर देते हैं। तो वह परिवार और समाज से बहिष्कृत हो जाते हैं। जिसके कारण भी समलैंगिक जोड़ों में कानूनी मान्यता की मांग बढ़ती जा रही है।

उम्र और समय के हिसाब से समलैंगिक जोड़े के रूप में रहने के लिए आनंददायक लगती है। समय के साथ एक दूसरे के प्रति अलगाव की भावना भी पनप सकती है। जीवन भर साथ रहने के बाद, एक दूसरे के आर्थिक लाभ और सम्पत्ति का अधिकार वह अपने पार्टनर को कैसे ट्रांसफर कर पाए। परिवार और समाज के बिना किसी हस्तक्षेप के वह अपने दायित्वों का कानूनी तरीके से निर्वहन कर पाए। यह समलैंगिक जोड़ों की सबसे बड़ी चिंता है।

विशेष विवाह अधिनियम में समलैंगिक विवाह के लिए अलग से नियम बनाए जा सकते है। जिसमें धार्मिक, स्त्री-पुरुष के अधिकार बच्चों की परवरिश माता पिता के प्रति दायित्व इत्यादि के जो प्रावधान है। उन से हटकर समलैंगिक जोड़ों के लिए पृथक से नियम बना दिए जाने के बाद यदि उन्हें कानूनी अधिकार प्राप्त होते हैं। वह अपनी स्वतंत्रता के साथ अपनी निजी एवं पारिवारिक जिम्मेदारी को भी पूरा कर सकते हैं। इस तरह के कानून के बन जाने से समलैंगिक जोड़े आर्थिक एवं कानूनी रूप से सक्षम होकर बिना किसी भय के अपना जीवन जी सकते हैं। सामाजिक एवं राजनीतिक विरोध को देखते हुए, स्वतंत्रता के निजी अधिकार को बनाए रखने की दृष्टि से, कांट्रैक्ट एक्ट में इन्हें साथ रहने का कानूनी अधिकार दिये जा सकते है। जिसमें दोनों ही पक्षों के अधिकार और उनके दायित्व को वह आपस में सुनिश्चित करें। किसी कारण से अनुबंध का पालन नहीं कर पाते हैं उस अवस्था में यदि वह अनुबंध को तोड़ते हैं। एक दूसरे के प्रति उनकी क्या जिम्मेदारी होगी। कांटेक्ट एक्ट को समलैंगिक जोड़ों को साथ रहने की कानूनी अनुमति मिल जाए और कानूनन उन्हें सुरक्षा मिल जाती है। तो यह भी एक विकल्प हो सकता है।

पिछले दशकों में जिस तरीके से युवाओं की सोच बदली है। सामाजिक एवं पारिवारिक व्यवस्थाओं को बंधन मानते हुए, युवा पीढ़ी शादी ही नहीं करना चाहती है। वह परिवार से अलग होकर अपने तरीके से अपना जीवन जीना चाहती है। पिछले कुछ वर्षों में लिव इन रिलेशन में रहने वाले जोड़ों की संख्या बहुत तेजी के साथ बढ़ी है। इसमें भी अनिश्चय की स्थिति होने से अपराधिक घटनाएं बड़े पैमाने पर होने लगी हैं। ऐसी स्थिति में सुप्रीम कोर्ट को समाज में जो बदलाव आ रहे हैं। वह पारिवारिक और सामाजिक व्यवस्था के कारण ही आ रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए समलैंगिक जोड़े और लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों के लिए कॉन्ट्रैक्ट एक्ट में अनुमति देने से इस विवाद का हल निकाला जा सकता है। हमें यह भी ध्यान रखना होगा, कि मानसिक प्रेम, शारीरिक प्रेम संबंधों, परिवार समाज एवं धार्मिक जुड़ाव की तुलना में ज्यादा असरकारी होता है। सुप्रीम कोर्ट जिस तरह से सभी पहलुओं पर विचार कर रही है। सुप्रीम कोर्ट कोई ना कोई रास्ता समलैंगिक विवाह एवं लिव इन रिलेशनशिप में रहने वाले जोड़ों को कानूनी मान्यता देते हुए, उनके दायित्व और अधिकार सुनिश्चित किए जाने की जरूरत है। इसके लिए विवाह अधिनियम के साथ साथ कॉन्ट्रैक्ट एक्ट के तहत कानूनी मान्यता दिए जाने पर विचार करना होगा।

माता सीता जयंती पर विशेष

सभी के लिए अनुकरणीय है माता सीता का चरित्र

रमेश सर्राफ धमोरा

पौराणिक कथाओं के अनुसार माता सीता का जन्म वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ था। इसलिए हर साल माता सीता की जयंती सीता नवमी, सीता जयंती या जानकी नवमी के रूप में बड़े उत्साह और उमंग के साथ मनाई जाती हैं। इस साल सीता नवमी 29 अप्रैल शनिवार को मनाई जा रही है। इस दिन स्वयं सिद्ध अबूझ मुहूर्त है। इस दुर्लभ संयोग पर माता सीता के साथ भगवान राम का पूजन करना श्रेष्ठ रहता है। सीता नवमी के दिन विवाहित महिलाएं व्रत रखती हैं और अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती हैं। सीता नवमी व्रत करने से व्यक्ति में शील, मातृत्व, त्याग और समर्पण जैसे गुण आते हैं। सीता और भगवान राम की एक साथ पूजा करने से वैवाहिक जीवन में सुख-शांति बनी रहती है।

ऐसा माना जाता है कि पुष्य नक्षत्र में माता सीता का जन्म हुआ था। देवी सीता का विवाह भगवान राम से हुआ था। भगवान राम का जन्म भी चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हुआ था। हिंदू कैलेंडर में सीता जन्मदिवस रामनवमी के एक महीने के बाद आती है। देवी सीता मिथिला के राजा जनक की पुत्री थीं। इसलिए इस दिन को जानकी नवमी के नाम से भी जाना जाता है।

हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार जब राजा जनक यज्ञ करने के लिए भूमि की जुताई कर रहे थे तो उन्हें सोने के ताबूत में एक बच्ची मिली। जुताई वाली भूमि को सीता कहा जाता था। इसलिए राजा जनक ने बच्ची का नाम सीता रखा। राजा जनक की पुत्री होने के कारण इन्हे जानकी, जनकात्मजा अथवा जनकसुता भी कहते थे। मिथिला की राजकुमारी होने के कारण यें मैथिली नाम से भी प्रसिद्ध है। भूमि में पाये जाने के कारण इन्हे भूमिपुत्री या भूसुता भी कहा जाता है।

सीता नवमी के दिन पूरे देश में भगवान राम और जानकी मंदिरों में विशेष पूजा व अनुष्ठान किया जाता है। मंदिरों को सजाया जाता है। रामायण पाठ के बाद भजन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं। कुछ मंदिर द्वारा राम रथ यात्रा निकालते हैं और जय सिया राम का जाप करते हैं और पूरे रास्ते भक्ति गीत गाते हैं।

मिथिला परिक्षेत्र में धार्मिक अनुष्ठान संग परिक्रमा, पदयात्रओं का व्यापक चलन है। वहां वर्ष में तीन बार परिक्रमा यात्रओं का विशेष महत्व है। बैशाख, अगहन और फाल्गुन महीने में लोग राम-सीता की स्मृतियों को संजोकर भक्तिभाव से पदयात्र पर निकलते हैं। राम-सीता विवाह में आए श्रद्धालु अगहन महीने में जनकपुर नगर परिक्रमा करते हैं। फाल्गुन की मिथिला परिक्रमा राम के मिथिला आगमन, राम-सीता प्रथम भेंट और इनके होली उत्सव से जुड़ी परंपरा है। बैशाख परिक्रमा सीता जन्म प्रसंग से जुड़ा आयोजन है। इस अवसर पर जानकी जन्मभूमि सीतामढ़ी से यात्र निकलती है।

वहां इससे पृथक तीन अन्य यात्रओं की भी परंपरा है। पहली यात्र जानकी नवमी के बीस दिन पूर्व निकाली जाती है। इसके माध्यम से कई पौराणिक मंदिर और राम-सीता से जुड़े पावन स्थलों की यात्र संपन्न की जाती है। इनमें वागमती पुरातन धारा किनारे का परशुराम तीर्थ और पंथपाकड़ भी हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी बालकांड के प्रारंभ में आदिशक्ति सीता जी की वंदना करते हुए कहते हैं--

उद्भवस्थिति संहारकारिणी क्लेशहारिणीम।
सर्वश्रेयस्करीं सीतां नतोऽहं रामवल्लभाम ।

माता जानकी ही जगत की उत्पत्ति, पालन और संहार करने वाली तथा समस्त संकटों तथा क्लेशों को हरने वाली हैं। मां भगवती सीता सभी प्रकार का कल्याण करने वाली रामवल्लभा हैं। उन भगवती सीता जी के चरणों में प्रणाम है। मां सीता जी ने ही हनुमान जी को उनकी असीम सेवा भक्ति से प्रसन्न होकर अष्ट सिद्धियों तथा नव-निधियों का स्वामी बनाया।

अष्टसिद्धि नव-निधि के दाता। अस वर दीन जानकी माता।।

सीता-राम वस्तुतः एक ही हैं।

सियाराम मय सब जग जानी। करहुं प्रणाम् जोरि जुग पानी।।

यह सर्वजगत सीताराम मय है। जिन्हें तुलसीदास जी दोनों हाथ जोड़ कर प्रणाम करते हैं। भगवती सीता जी की पति-परायणता, त्याग सेवा, संयम, सहिष्णुता, लज्जा, विनयशीलता भारतीय संस्कृति में नारी भावना का चरमोत्कृष्ट उदाहरण तथा समस्त नारी जाति के लिए अनुकरणीय है।

रुसलान के साथ वापसी कर रहे आयुष

अभिनेता आयुष शर्मा अब अपनी नवीनतम फिल्म रुसलान के साथ वापस आ गए हैं। इसका टीजर बीते दिनों रिलीज किया गया। टीजर में आयुष शर्मा को एक्शन अवतार में दिखाया गया है। टीजर को देखने से आयुष शर्मा की मेहनत साफ झलकती है। एक्शन अवतार में उन्होंने स्वयं को बखूबी पेश किया है। इस फिल्म का निर्देशन कात्यायन शिवपुरी ने किया है। सलमान खान के साथ आखिरी बार अन्तिम में नजर आए आयुष शर्मा रुसलान की वजह से सुर्खियों में हैं। आयुष ने इंस्टाग्राम पर लिखा, इंपेशेंट हूं, इंपल्सिव हूं और प्रोटोकॉल तो बिलकुल फॉलो नहीं करता हूं।

तभी तो रुसलान के नाम से जाना जाता हूं। आ रहा हूं हाथ में गन और गिटार लेकर क्योंकि इस बार गिटार भी बजेगा और गन भी टीज़र आउट! इस फिल्म का निर्माण केके राधामोहन द्वारा श्रीसत्यसाई कला बैनर के तहत किया गया है। इसमें आयुष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। कलाकारों में सुश्री मिश्रा और तेलुगु स्टार जगपति बाबू शामिल हैं।

रुसलान इस साल के अंत में स्क्रीन पर आएगी। बता दें कि वर्ष 2021 में प्रदर्शित हुई आयुष शर्मा अभिनीत फिल्म अन्तिम को दर्शकों ने अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। महेश मांजरेकर निर्देशित इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता प्राप्त करने के साथ ही आयुष शर्मा को सिने उद्योग में स्थापित करने में मदद की थी। अन्तिम में सलमान खान अपने विस्तारित कैमियो में दिखाई दिए थे। कहने को यह कैमियो था लेकिन दर्शकों का कहना था कि यह दो नायकों की फिल्म थी, जिसे आयुष शर्मा के नाम पर दर्शकों के सामने लाया गया।

दिलजीत दोसांझ पर लगा भारतीय तिरंगे का अपमान करने का आरोप,

एक्टर ने दी सफाई

द केरला स्टोरी का ट्रेलर 26 अप्रैल को रिलीज़ हुआ और इसने प्रतिक्रियाओं और विवादों को जन्म दिया। विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म का उद्देश्य यह कहानी बताना है कि कैसे भारतीय राज्य केरल की महिलाओं को बरगलाया गया और सीरिया के संघर्ष क्षेत्र में इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया में ले जाया गया। फिल्म विशेष रूप से कुछ मामलों को दिखाती है कि किस तरह आईएसआईएस द्वारा सीरिया में 32,000 महिलाओं को लुभाने के लिए 'लव जिहाद' का इस्तेमाल किया गया था। इसके अलावा पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने हाल ही में कैलीफोर्निया के कोचेला वैली म्यूजिक एंड आर्ट्स फेस्टिवल में परफॉर्म किया। दिलजीत पहले ऐसे भारतीय सिंगर हैं, जिन्होंने कोचेला वैली म्यूजिक फेस्टिवल में परफॉर्म किया। करीब 10 साल से चल रहे एक्ट्रेस के सुसाइड मामले में सीबीआई की विशेष अदालत शुक्रवार (28 अप्रैल) को फैसला सुना सकती है। पिछले हफ्ते सीबीआई के विशेष न्यायाधीश एएस सैय्यद ने दोनों पक्षों की अंतिम दलीलें सुनीं और मामले में अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। 3 जून 2013 को जिया खान, जो एक अमेरिकी नागरिक थी- जुहू, मुंबई में अपने अपार्टमेंट में पंखें से लटकी पाई गई थी।

निकिता रावल ने अपने फिटनेस रूटीन का किया खुलासा

फिटनेस के प्रति उत्साही, निकिता रावल हमेशा ऐसे कई लोगों के लिए प्रेरणा रही हैं जो एक स्वस्थ जीवन शैली का नेतृत्व करने की इच्छा रखते हैं। उनकी फिटनेस दिनचर्या में योग, ध्यान और स्वस्थ आहार का संयोजन शामिल है, जो उन्हें अपने संपूर्ण शरीर को बनाए रखने में मदद करता है।

निकिता रावल एक स्वस्थ जीवन शैली का नेतृत्व करने और अपने प्रशंसकों को भी ऐसा करने के लिए प्रेरित करने में विश्वास करती हैं। उनके शानदार अभिनय के अलावा, दूसरी चीज जिस ने लोगों का बहुत ध्यान खींचा है, वह है उनकी शानदार काया और फिटनेस।

निकिता रावल ने कहा कि मैं व्यायाम करने के लिए एकदम समयनिष्ठ हूं, मेरा वर्कआउट मिश्रित है - मुक्तहस्त, भारी भारोत्तोलन और कुछ योग।

निकिता ने अपने फिटनेस मंत्र के बारे में बात करते हुए कहा, एक वांछनीय शरीर और वजन बनाए रखने के लिए मेरे कुछ चुने हुए तरीके है नियमित रूप से व्यायाम करना, व्यायाम के नए और विभिन्न रूपों की कोशिश करना और मेरे शरीर की आवश्यकताओं के लिए उपयुक्त एक विशेष आहार अपनाए रखना।

'गरम मसाला' की अभिनेत्री अपने फिटनेस लक्ष्यों को हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ती हैं। उनका प्रशिक्षण प्रेरणादायक, प्राप्त करने योग्य है, और यह कई लोगों को उनके जैसा बनने के लिए प्रेरित करता है।

निकिता रावल रोजाना जिम जाती है और अपने ट्रेनर के साथ कठोर वर्कआउट शेड्यूल में व्यस्त रहती है। हर दिन वर्कआउट करना उनके लिए बहुत जरूरी है, और उनका प्रशिक्षण अक्सर एक एथलीट के समान होता है।

मिथुन ने 'शेर दिल' इंसान बताया

मशहूर एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने कहा-सलमान बड़े भाई की तरह मेरी इज्जत करते हैं और जब हम एक-दूसरे से मिलते हैं तो हमें काफी मजा आता है। हाल ही में अपने छोटे बेटे नमाशी चक्रवर्ती की फिल्म की शुरुआत के साथ फिर से चर्चा में हैं।

एक्टर ने सलमान खान के साथ अपने बॉन्ड के बारे में बात की। मिथुन चक्रवर्ती और सलमान खान की दोस्ती के बारे में हर कोई जानता हैं। इन्हे कई रियलीटी शोज पर अक्सर हंसी मजाक करते देखा गया है। उन्होने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है। लेकिन अब मिथुन ने कुछ ऐसा बोल दिया है जिसे सुनकर सलमान हैरान हो जाएंगे।

उन्होंने बताया कि उस वक्त उनका रिएक्शन कैसा था जब उन्हें पता चला था कि सलमान फेमस स्क्रिप्ट राइटर सलीम खान के बेटे हैं। मिथुन ने हाल ही में एक इंटरव्यू में सलमान संग अपने रिश्ते को लेकर बात की है और उन्हें 'शेर दिल' बताया है। मिथुन चक्रवर्ती ने खान परिवार और खास तौर पर सलीम खान के साथ अपने बंधन के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए संघर्ष करने वाले सलीम जी हैं। एक बार उन्होंने मेरी तरफ देखा और मुझसे कहा, तुम्हारे चेहरे पर ऐसा आकर्षण है, तुम अभिनेता क्यों नहीं बन जाते?

उन्होंने मुझे फिल्म में लेने की बहुत कोशिश की, लेकिन उस समय नियति ने मेरा साथ नहीं दिया। मैं सलीम जी के सामने कभी सिर नहीं उठा सकता। मिथुन ने आगे कहा,हम बहुत सारे राज एक दूसरे से शेयर करते हैं। वह कभी-कभी चालाकी से काम लेता है, लेकिन वह नहीं जानता कि अगर मैं अपना मुंह खोलूंगा तो क्या होगा? लोग उसे सिर्फ गलत समझते हैं लेकिन वह एक शेर दिल इंसान है। मिथुन ने कहा-सलमान बड़े भाई की तरह मेरी इज्जत करते हैं और जब हम एक-दूसरे से मिलते हैं तो हमें काफी मजा आता है।

आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग जयपुर में शुरू

वेब सीरीज आर्या के तीसरे सीजन की शूटिंग एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने जयपुर में शुरू कर दी है। सीरीज के सह-निर्देशक और शो के सह-निर्माता राम माधवानी ने कहा, रुकावटें हमें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती हैं और हमारी आर्या सुष्मिता ने हमें सिखाया है कि कैसे साहस और शक्ति से इन्हें दूर किया जा सकता है। आर्या सीजन 3 के लिए सफर फिर से शुरू हो गया हैं। राम माधवानी दर्शकों के लिए एक दिलचस्प कहानी, पावर-पैक परफॉर्मेंस और शेरनी जैसी ताकतवर आर्य को नए रुप में लेकर आ रहे है, जो लोगों के दिलों पर छाप छोड़ेगी। यह शो आर्या की जर्नी को फॉलो करता है, एक महिला जो अपने पति की हत्या के बाद खुद को अपराध की दुनिया में पाती है। सीरीज में सुष्मिता मुख्य भूमिका में हैं। उन्होंने पिछले सीजन में अपने परफॉर्मेंस से दर्शकों को दिल जीत लिया था।

योग कक्षाएं और परिवार के साथ समय बीता रही इशिता

प्रेग्नेंसी के दौरान एक्ट्रेस इशिता दत्ता योग कक्षाएं और परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताकर खुद को व्यस्त रख रही हैं। इस बारे में बात करते हुए इशिता ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मेरे जीवन का यह नया चरण बहुत सुंदर, दिलचस्प और अलग रहा है। सबसे अच्छी बात किक महसूस करना है..मैंने हमेशा इसके बारे में सुना था लेकिन मुझे लगता है कि जब आप खुद इसे महसूस करती हैं तभी आपको एहसास होता है कि यह कितना खूबसूरत है। यह ज्यादातर रात में होता है, इसलिए मुझे आमतौर पर ज्यादा नींद नहीं आती है क्योंकि छोटे को रात में सोना पसंद नहीं है। इशिता को एक घर बनाऊंगा, बेपनाह प्यार और थोड़ा सा बादल थोड़ा सा पानी में उनके रोल के लिए भी जाना जाता है। उन बदलावों के बारे में बात करते हुए, जो वह देख रही हैं, अभिनेत्री ने कहा- कई चीजें हैं.. मेरा शरीर बदल रहा है, मेरी पसंद और नापसंद बदल रही है। जो चीजें मुझे पसंद थीं, वह अब मुझे पसंद नहीं हैं..मैं जीवन में नई चीजों की कोशिश कर रही हूं।

उतरन में एक्टिंग करने के बाद टीना हुई मशहूर

छोटे परदे के शो उतरन में एक्टिंग करने के बाद टीना घर-घर में अपने किरदार इच्छा के नाम से मशहूर हो गई। टीना का किरदार एक नौकरानी की बेटी का था और उसकी सबसे अच्छी दोस्त उसकी मां के मालिक की बेटी थी। इस बारे में बात करते हुए कि क्या सोशल मैसेज पर शो और सास-बहू नाटकों के सुर्खियों में आने के बाद दर्शक छोटे पर्दे पर नई शैलियों की तलाश कर रहे हैं, इस पर टीना ने कहा, मुझे लगता है कि लोग नए जोनर की तलाश कर रहे हैं क्योंकि आप एक ही चीज को टेलीविजन पर कितना देख सकते हैं? हम सभी समय के साथ आगे बढ़ते हैं और नई चीजों को अपनाते हैं और लोग नई चीजें देखना पसंद करते हैं। हम रहे न रहे हम की कहानी फ्रेश स्टोरी है। बदलाव ही एकमात्र ऐसी चीज है जो निरंतर है और दर्शक भी स्क्रीन पर उस एलिमेंट को देखने के लिए इस तरह के एक ताजा वाइब का इंतजार कर रहे हैं।

अतीक के राज उगलेगा वकील खान सौलत हनीफ

माफिया अतीक अहमद के हर बुरे काम में साए की तरह साथ देने वाला एडवोकेट खान सौलत हनीफ अतीक के काले कारनामों का कच्चा-चिट्ठा खोलेगा। गुरुवार को प्रयागराज की सीजेएम कोर्ट से 14 दिन की न्यायिक हिरासत मंजूर होने के बाद पुलिस ने शुक्रवार को रिमांड के लिए अर्जी डाली है। रिमांड अर्जी मंजूर होने के बाद पुलिस खान सौलत हनीफ से अतीक की बेनामी संपत्तियों और काले कारनामों के बारे में पूछताछ करेगी। उमेश पाल मर्डर केस में भी उससे पूछताछ होगी। प्रयागराज की एमपी-एमएलए कोर्ट में इस बात के पुख्ता सुबूत थे कि उमेश पाल का अपहरण करके अतीक के चकिया स्थित कार्यालय में जब लाया गया था तो वकील खान सौलत हनीफ पहले से मौजूद थे। सौलत ने हलफनामे पर उमेश पाल से हस्ताक्षर करा लिए थे। इस कागज में अतीक अहमद के समर्थन में बयान लिखा हुआ था। इसके अलावा एक कागज भी दिया गया था, जिसमें चेतावनी दी थी कि वह कोर्ट में वही बयान दे जो कागज पर लिखा है। नहीं तो उसे मौत के घाट उतार दिया जाएगा। पुलिस की चार्जशीट में यह बात साफ लिखी हुई थी कि उमेश पाल के अपहरण केस की अतीक एडवोकेट खान सौलत हनीफ की पूरी जानकारी थी। इसी आधार पर प्रयागराज की विशेष एमपी-एमएलए कोर्ट के जज डॉ. दिनेश चंद्र शुक्ला ने खान सौलत हनीफ को भी अतीक अहमद और दिनेश पासी के साथ उम्र कैद की सजा सुनाई। इसके अलावा एक ₹100000 का जुमार्ना भी लगाया था। प्रयागराज के रहने वाले खान

सौलत हनीफ सीनियर एडवोकेट हैं और लंबे समय से आतीक से जुड़े मुकदमे देखते रहे हैं। उन्होंने कई मामलों में अतीक अहमद की पैरवी की है। सत्र न्यायालय से लेकर उच्चतम न्यायालय तक हनीफ ही अतीक अहमद के मुकदमे लड़ा करते थे। अतीक अहमद को तीन दशक तक कोई सजा नहीं हो सकी तो उसके पीछे कहीं न कहीं खान सौलत हनीफ की भी भूमिका महती रही है। 25 जनवरी 2005 में बसपा के तत्कालीन विधायक रहे राजू पाल की बीच सड़क पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड में अतीक अहमद उसके भाई अशरफ पर आरोप लगा कि राजू पाल हत्याकांड का केस सीबीआई की विशेष अदालत सुन रही है अभी इस मामले में फैसला नहीं आया है। राजू पाल हत्याकांड में उमेश पाल मुख्य गवाह था। अतीक अहमद और अशरफ को सजा इसलिए उमेश पाल का 2006 में अपहरण कर लिया गया था। उमेश पाल का अपहरण कर अतीक अहमद ने अपने चकिया स्थित कार्यालय पर रात भर रखा और उसे तरह-तरह की यातनाएं दीं। यहां तक कि उसे बिजली के शॉक भी दिए गए। इससे घबराकर उमेश पाल ने अपना बयान अतीक अहमद के पक्ष में दे दिया था। इन दौरान खान सौलत हनीफ भी मौजूद था। हालांकि 2007 में जब बसपा गवर्मेंट बनी तो उमेश पाल ने हिम्मत करते हुए अतीक अहमद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। अपहरण के 1 साल बाद दर्ज हुए इसी मुकदमे में अतीक अहमद, दिनेश पासी और खान सौलत हनीफ को उम्र कैद की सजा हुई है।

हापुड़ पुलिस ने मेरठ से पब्लिशर को उठाया

मेरठ में गुरुवार रात 11 बजे टीपीनगर की गुप्ता कॉलोनी में रहने वाले पब्लिशर चेतन प्रकाश गर्ग को हापुड़ पुलिस हिरासत में लेने आई। नॉन बेलेबल वारंट दिखाने के दौरान घरवालों ने हंगामा कर दिया। जबरन कारोबारी को हिरासत में लेकर हापुड़ के लिए पुलिस टीम रवाना हुई। कारोबारी की पत्नी चित्रा और भतीजा मोहित स्कूटी से पुलिस जीप का पीछा करने लगे। इस दौरान उनकी सड़क हादसे में मौत हो गई। हादसा लोहियानगर के नजदीक बुलंदशहर-मेरठ हाईवे पर हुआ। हापुड़ पुलिस को जब, कारोबारी की पत्नी-भतीजे की मौत के बारे में पता चला। तो वो शुक्रवार सुबह कारोबारी को उनके घर छोड़ गई। इस हादसे को लेकर सपा ने सवाल पूछा कि पुलिस नियम के खिलाफ कार्रवाई करती क्यों है चेतन ने बताया,"बुलंदशहर के एक कारोबारी संजीव अग्रवाल हैं। जिनके साथ हमारा बिजनेस का लेनदेन चलता था। उस पर हमारे प्रकाशन से किताबें उधार जाती थी। वो हमारा पेमेंट नहीं देना चाहता। इसलिए उन्होंने एक चेक डिसप्यूट का सहारा लिया। संजीव पहले भी हमसे रंजिश रख रहा है। संजीव के साथ गुरुवार को 5 पुलिसवाले और 10 सादे कपड़ों में लोग थे। उन लोगों ने हमें घर से उठाया। हमने अपने बचाव के लिए प्रयास किया। हमारी पत्नी और भतीजे ने रिक्ववेस्ट की। उन्होंने नहीं बताया कि वो कहां ले जा रहे हैं? बस कहा कि हापुड़ जाना है। मेरी पत्नी और भतीजे ने ठइह वारंट दिखाने लगे। लेकिन, उस पर मेरा नाम नहीं था। फिर वो जबरन मुझे घसीटकर बाहर ले आए और एक प्राइवेट गाड़ी में बैठा दिया। मेरी पत्नी और भतीजा स्कूटी से गाड़ी के पीछे भागे। उन्होंने आरोप लगाया," सभी पुलिसवाले प्राइवेट गाड़ी में थे। 3 स्कॉर्पियो और दो प्राइवेट गाड़ी थी। भतीजा मोहित, पत्नी चित्रा मेरी गाड़ी के पीछे थे। हादसा के बाद उन

लोगों ने मुझे टीपीनगर थाने छोड़ दिया। वो लोग कहां चले गए मुझे नहीं पता। उन्होंने न कोई सबूत दिखाया न ही नोटिस दिखाया न ही कुछ और बताया बस मुझे लेकर जाने लगे। जब भतीजा मोहित और उनकी पत्नी चित्रा बिजली बम्बा बाइपास से आगे डपिंग यार्ड के पास पहुंचे, तो पीछे से आ रही कैंटर ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। इसमें दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। युवक की जेब से मिले लाइसेंस से पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त की। जिसके बाद सूचना परिवार तक पहुंची। पुलिस ने कैंटर को कब्जे में ले लिया। लेकिन उसका ड्राइवर मौके से फरार हो गया। व्यापारी के परिजनों ने देर रात जब हापुड़ पुलिस को इसके बारे में बताया। हापुड़ पुलिस ने व्यापारी को वापस घर छोड़ गई। मृतक मोहित के भाई सौरभ का कहना है कि पुलिस वाले सादा वर्दी में आए थे। उनकी गाड़ी भी सरकारी नहीं थी। जिस वजह से चाची मोहित को स्कूटी पर बैठकर उनके पीछे-पीछे गई थीं। मोहित सीए था। परिवार मोहित प्रकाशन के नाम से प्रकाशन का काम करता है। जिसे उसके पिता प्रमोद गर्ग, चाचा चेतन प्रकाश समेत परिवार के सभी लोग मिलकर चलाते हैं। चेतन के बड़े भाई प्रमोद गर्ग ने कहा,"पुलिसवालों, जो हमारे घर रात 9 बजे आए थे। उन्होंने पहले तो अपना परिचय नहीं दिया। 5 पुलिसवाले, एक लेडी पुलिस थी। 10 अन्य लोग संजीव अग्रवाल के साथ हमारे घर आए। हमारे घर में ऊपर की मंजिल चढ़ आए। मेरे छोटे भाई चेतन प्रकाश गर्ग को जबरन धक्का-मुक्की करके ले गए।

योद्धाओं की जीत को पूर्वांचल मथेंगे महारथी

नगरीय निकाय चुनाव में योद्धाओं की जीत सुनिश्चित करने के लिए राजनीति के महारथी भी पूर्वांचल को मथेंगे। वाराणसी को केंद्र बनाकर भाजपा, सपा और बसपा के अध्यक्षों समेत प्रमुख चेहरे आज से मैदान में उतरेंगे। इसमें सीएम योगी, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेशाध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल, कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी, अपना दल की अनुप्रिया पटेल समेत कई बड़े नाम शामिल हैं। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी का बनारस में 29 अप्रैल को वर्चुअल संवाद कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। शुक्रवार दोपहर 1 बजे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य वाराणसी पहुंचे हैं। कुछ देर में ब्रजेश पाठक भी पहुंचने वाले हैं। दोनों जनसभा में बीजेपी की उपलब्धियां गिनाने वाले है। साथ ही, मेयर प्रत्याशी अशोक तिवारी के पक्ष में वोट देने की अपील करने वाले हैं। बनारस में आज से चुनावी समर में सक्रियता और जनसंपर्क की तेजी नजर आएगी। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के बाद प्रदेश सरकार के

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक मोर्चा संभालेंगे। 28 अप्रैल को काशी में दोनों उपमुख्यमंत्री महापौर पद के भाजपा प्रत्याशी अशोक तिवारी के लिए जनसभाएं करेंगे। इसके बाद 29 अप्रैल को सीएम योगी आदित्यनाथ वाराणसी पहुंचेंगे। शनिवार शाम सीएम योगी आदित्यनाथ शिवपुर के मिनी स्टेडियम में जनसभा करेंगे। कार्यकताओं से संवाद करेंगे और आसपास के जनपदों का दौरा करेंगे। 1 मई को भी सीएम दूसरी जनसभा शहर में करेंगे। इनके अलावा कैबिनेट मंत्री जयवीर सिंह, अनिल राजभर, रविंद्र जायसवाल, दयालु मिश्रा समेत कई प्रदेश और केंद्रीय मंत्रियों के जनसंपर्क कार्यक्रम और सभाएं लगेगी।

लखनऊ में कुत्तों ने बुजुर्ग का हाथ पैर नोचा

लखनऊ में स्ट्रीट डॉग का आतंक कम नहीं हो रहा है। आज सुबह सृष्टि अपार्टमेंट में बुजुर्ग विनोद कुमार दीक्षित (78) पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। कुत्तों उनके पैर और हाथ को चबा गए। जिसके बाद आक्रोशित अपार्टमेंट के लोगों ने पोस्टर जारी कर निकाय चुनाव में मतदान नहीं करने का ऐलान किया है। उन्होंने पोस्टर में लिखा कि खूंखार आवारा कुत्तों के आतंक से भयभीत सृष्टि अपार्टमेंट वासी निकाय चुनाव में मतदान नहीं करेंगे। बताया जा रहा है कि बुजुर्ग हर दिन की तरह आज भी सुबह मॉर्निंग वॉक के लिए निकले थे। तभी आवारा कुत्ते किसी दूसरे व्यक्ति को घेरे थे। दूसरे व्यक्ति को बचाने के लिए वह अपनी छड़ी लेकर पहुंचे। जिसके बाद कुत्तों ने उनके ऊपर ही हमला कर दिया। जिससे वह जमीन पर गिर गए। और जोर-जोर से चिल्लाने लगे। आवाज सुनकर आस-पास के लोग जुट गए। लोगों ने डंडा मारकर कुत्तों को जैसे-तैसे भगाया। जिसके बाद लोग नजदीकी अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों की टीम ने उनका

इलाज किया। स्थानीय लोगों ने बताया,"पिछले एक साल में कई लोगों को कुत्ते काट चुके हैं। इसको लेकर नगर निगम और छऊअ दोनों जगह शिकायत दर्ज कराई गई। मगर, उसका कोई फायदा नहीं हुआ है। प्राधिकरण के जिम्मेदार अफसर ऐसी समस्या को नगर निगम की समस्या बता कर पल्ला झाड़ लेते हैं। "सोसाइटी में बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं इन आवारा कुत्तों का शिकार हो चुके हैं। शिकायत करने पर नगर निगम की टीम आकर नसबंदी कराने को ले जाती है। उसके बाद फिर उसी परिसर में छोड़ जाती है। सोसाइटी में रहने वाले लोगों को काफी नुकसान होता है। लखनऊ में स्ट्रीट डॉग का आतंक कम नहीं हो रहा है।

रामलला गर्भगृह में विराजने के लिए आचार्यों से तारीखें मांगी

अयोध्या के श्रीरामजन्मभूमि परिसर में राम मंदिर भवन निर्माण समिति की दो दिवसीय बैठक हो गई है। रामलला अपने गर्भगृह में कब विराजेंगे? इसकी तारीखों के लिए वाराणसी के आचार्यों से तारीखें मांगी गईं थीं। 22 जनवरी, 2 फरवरी समेत तीन तारीखे आई हैं। राम मंदिर के ट्रस्ट से डॉ. अनिल मिश्र और रामलला के पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास ने बताया कि अभी तारीख तय नहीं है। विचार चल रहा है। श्री राम जन्मभूमि परिसर में चल

रही बैठक में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पदाधिकारी और भवन निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्रा के अलावा कार्यदाई संस्था के इंजीनियर भी बैठक मौजूद हैं। मंदिर निर्माण की प्रगति और भगवान राम लला की अचल मूर्ति को लेकर बैठक में मंथन चल रहा है। भगवान रामलला के मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा को लेकर भी तैयारियों पर चर्चा हो रही है। मई के अंतिम सप्ताह में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास का जन्मदिन हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ देश के अनेक बड़े संत और हिंदू नेताओं का आगमन होगा। ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल के अनुसार यह समय हमारे लिए महत्वपूर्ण होगा। इस अवसर पर ट्रस्ट आपसी राय के बाद रामलला की मूर्ति आदि विषयों पर अपना पक्ष स्पष्ट करेगा।

लखनऊ आगरा में आंधी कानपुर में बारिश हुई

यूपी में मौसमी बदलाव का सिलसिला 30 अप्रैल तक रहेगा। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले दो दिन मौसम में ज्यादा उलटफेर की संभावना है। शुक्रवार को मौसम विभाग ने एक बार फिर 30 जिलों के लिए बारिश-आंधी का अलर्ट जारी किया है। इन 30 जिलों में कुछ इलाके ऐसे हैं, जहां ओले भी गिर सकते हैं। उधर, शुक्रवार सुबह कानपुर में आंधी के साथ बारिश हुई। दिन में ही अंधेरा छा गया। वहीं, आगरा में देर रात तेज हवाएं चलीं। अभी बादल छाए हैं। बारिश की आशंका है। दोपहर करीब 12 बजे लखनऊ में भी बादल छा गए। तेज धूप भरी हवाएं चलने लगी। जालौन में आकाशीय बिजली गिरने से किसान की मौत हो गई। इससे

पहले, गुरुवार को वाराणसी और बागपत में हल्की बारिश हुई। बाकी, प्रदेश में मौसम साफ रहा। इससे पारे में एक बार फिर उछाल आया है। मथुरा-वृंदावन का तापमान 40ल्ल को पार करके 42.2 दर्ज किया गया। यह यूपी में सबसे अधिक रहा है। इसके बाद आगरा का तापमान 39.2ल्ल रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक, जिन शहरों में कल बारिश-आंधी का अलर्ट था। आंधी, ओले के साथ बारिश और बिजली गिरने की भी संभावना है। उन्होंने लोगों को चेताया कि अगर मौसम बिगड़े तो लोगों को सावधान रहने की जरूरत है। शुक्रवार को आकाशीय बिजली गिरने से एक किसान उसकी चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। यह हादसा सिरसा कलार थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले छावनी अहीर गांव में हुआ है। जहां छानी अहीर के रहने वाले किसान विजय दोहरे (48) सुबह खेत में गेहूं एकत्रित करने गए थे। तभी अचानक हल्की बारिश होने लगी, जिसे देख वह त्रिपाल से गेहूं को ढकने का प्रयास करा रहा था। तभी आकाशीय चमक के साथ किसान के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। इस हादसे में दो और किसान झुलस गए हैं। झांसी में आज सुबह से बादल छाए हुए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 3 दिनों तक बारिश होने की संभावना है। आज का न्यूनतम तापमान 23 डिग्री और अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।

वाराणसी के अस्पताल की टंकी में मिली सड़ी गली लाश

वाराणसी के मंडलीय अस्पताल की पानी की टंकी में गुरुवार को युवक की सड़ी-गली लाश मिली। लाश कई दिन पुरानी लग रही है। पानी से बदबू आने के बाद जब कर्मचारी टंकी की जांच के लिए पहुंचे तो अंदर शव देखकर सन्न रह गए। इसके बाद पानी की मेन सप्लाई बंद करा दी है। लोगों को टंकी का पानी न पीने की हिदायत दी गई। कर्मचारियों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। शव को टंकी से निकालने का प्रयास जारी है। NDRF को बुलाया गया है। कबीरचौरा स्थित मंडलीय अस्पताल के कर्मचारियों समेत सैकड़ों मरीज और उनके परिजन यही पानी पी रहे थे। लेकिन किसी को इस बारे में पता नहीं चला। बुधवार को अस्पताल आने वाले कुछ मरीज पीने के पानी में बदबू आने को लेकर कानाफूसी कर

रहे थे। गुरुवार को जब पानी की बदबू और बढ़ गई तो तीमारदारों ने अस्पताल के CMS से इसकी शिकायत की। इसके बाद टंकी की जांच के लिए कर्मचारियों को मौके पर भेजा गया। मंडलीय अस्पताल में आसपास के जिलों से भी गंभीर मरीज भेजे जाते हैं। BHU अस्पताल में जगह नहीं होने के कारण काफी मरीजों को यहां पर भर्ती कराया जाता है। ऐसे में यह अस्पताल हमेशा मरीजों से भरा रहता है। यहां काफी संख्या में ऐसे मरीज भी हैं जिनके परिवार वालों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

संक्षिप्त -समाचार

पीने लायक नहीं पानी, 581 में 157 पानी के सैंपल फेल

गाजियाबाद,। गाजियाबाद के कई हिस्सों का पानी पीने लायक नहीं है। स्वास्थ्य विभाग की जांच में पानी के सैंपल पाए गए है। विभाग ने जनवरी माह से अप्रैल में अब तक जिले भर से 581 पानी के सैंपल एकत्रित किए। इसमें 157 सैंपल फेल आए हैं। अधिकतर सैंपल शहर क्षेत्र से है। इसमें शिक्षण संस्थान, अस्पताल और वाटर प्लांट भी शामिल है। कार्रवाई के लिए प्रशासन को भी पत्र लिखा गया है। जल जनित बीमारियों से बचाव के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से समय-समय पर अभियान चलाया जाता है। वहीं, इस समय मौसम में बदलाव और शासन के निदेर्शानुसार संक्रामक रोगों को लेकर सतर्कता बरती जाए। चिकित्सकों की मानें तो दूषित पेयजल दिखने में साफ लगता है लेकिन इसे पीने से उल्टी-दस्त, पीलिया, त्वचा संबंधित बीमारियां हो सकती है। विभाग ने सतर्कता बरतते हुए जनवरी से ही पानी की टेस्टिंग शुरू कर दी है।

अंतिम दिन 134 दावेदारों ने वापस लिए नाम, मैदान में 1837 उम्मीदवार

गाजियाबाद, जनपद गाजियाबाद में नगर निकाय चुनाव के मद्देनजर वीरवार को नाम वापसी का अंतिम दिन था। ऐसे में कुल 134 उम्मीदवारों ने नाम वापस ले लिए। इसके बाद चुनाव मैदान में उम्मीदवारों की संख्या घटकर 1837 हो गई है। पार्षद और सदस्य पद पर 2 उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। नगर निकाय चुनाव के लिए जिले में 17 से 24 अप्रैल तक नामांकन प्रक्रिया चली थी। 25 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की गई। तदुपरांत नाम वापसी के लिए गुरुवार अंतिम दिन था। नगर निगम, नगर पालिका परिषद लोनी, खोड़ा-मकनपुर, मुरादनगर एवं मोदीनगर तथा नगर पंचायत डासना, पतला, निवाड़ी एवं फरीदनगर में कुल 303 पद पर निर्वाचन होना है। जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी वीर सिंह ने बताया कि नाम वापसी के अंतिम दिन विभिन्न पदों पर 134 उम्मीदवारों ने पर्चा वापस ले लिया है। नगर निगम पार्षद पद पर 59, नगर पालिका अध्यक्ष पद पर 3, नगर पंचायत अध्यक्ष पद पर 11, नगर पालिका सदस्य पद पर 52 और नगर पंचायत सदस्य पद पर 9 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिया है। लोनी में अध्यक्ष पद पर एक, सदस्य पद पर 32, खोड़ा-मकनपुर में सदस्य पद पर 4, मोदीनगर में अध्यक्ष पद पर 2 व सदस्य पद पर 9, मुरादनगर में सदस्य पद पर 7, फरीदनगर में अध्यक्ष पद पर 3, निवाड़ी में अध्यक्ष पद पर एक, सदस्य पद पर 2, पतला में अध्यक्ष पद पर 2, सदस्य पद पर 1 तथा डासना में अध्यक्ष पद पर 5 व सदस्य पद पर 6 उम्मीदवारों ने नाम वापस लिए हैं।

निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान के लिए सरकारी मशीनरी ने कमर कसी समाजिक तत्वों पर पैनी नजर

गाजियाबाद,। जनपद गाजियाबाद में मतदान प्रक्रिया को निष्पक्ष, निर्विघ्न और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कमर कस ली है। आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के अलावा राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों और असमाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखने को विचार-विमर्श किया गया है। चुनावी कार्यों से जुड़े सभी अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। मतदान केंद्रों एवं मतदेय स्थलों पर बुनियादी सुविधाओं की समय से उपलब्धता पर जोर दिया गया है। जनपद में नगर निकाय चुनाव की सरगर्मी जोरों पर चल रही है। नगर निगम के अलावा चारों नगर पालिका परिषद और चारों नगर पंचायत में 11 मई को मतदान कराया जाना है। नामांकन और नाम वापसी की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। ऐसे में मतदान का समय धीरे-धीरे नजदीक आने लगा है। इसके मद्देनजर जिला प्रशासन पहले से ज्यादा सतर्क हो गया है। चुनावी जनसभा, रैली और रोड शो का सिलसिला तेज हो जाएगा। इस दौरान आचार संहिता का पालन और असमाजिक तत्वों पर नजर रखना जरूरी हो गया है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने चुनावी कार्यों से जुड़े अधिकारियों को जिम्मेदारी का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए हैं।

समाजवादी पार्टी ने कराई अतीक अहमद की हत्या : नंदकिशोर गुर्जर

गाजियाबाद,। लोनी से भारतीय जनता पार्टी के विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा है कि माफिया अतीक अहमद की हत्या समाजवादी पार्टी के लोगों ने कराई है। अतीक किस पार्टी के विधायक थे, इस बात को सभी लोग भली-भांति जानते हैं। उन्होंने कहा कि माफिया अतीक अहमद जो राज खोलने जा रहा था, उससे समाजवादी पार्टी की परेशानियां बढ़ सकती थीं। लिहाजा उन्होंने अतीक की हत्या करा दी। उमेश पाल हत्याकांड में फरार चल रहे गुड्डू मुस्लिम के अखिलेश यादव से क्या संबंध हैं, इसकी चुनाव बाद जांच होगी और जांच से तस्वीर साफ हो जाएगी कि गुड्डू मुस्लिम का किससे संबंध है। उन्होंने अतीक की पत्नी पर भी साजिश के तहत पति को मरवाने का आरोप लगाया। विधायक का कहना है कि समाजवादी पार्टी अतीक की हत्या कराकर वोट लेने की राजनीति कर रही है। लेकिन उनकी इस साजिश को प्रदेश की जनता जानती है। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा कि लोनी को नगर पालिका परिषद का दर्जा राजनाथ सिंह ने दिलवाया था, जिसके बाद यहां लगातार भाजपा का प्रत्याशी ही चेयरमैन पद पर जीतता आया है। इस बार भी जिस तरीके से भाजपा प्रत्याशी को व्यापारियों और लोगों का जनसमर्थन मिल रहा है, इससे उनकी जीत निश्चित है। अन्य सभी प्रत्याशियों की जमानत जब्त होगी। विधायक का कहना है कि समाजवादी पार्टी की सरकार में विकास के नाम पर पिलर खड़े करके 455 करोड़ रुपए का घोटाला किया गया। इसके अलावा नगर पालिका में सीवर लाइन डालने के नाम पर भी घोटाला हुआ। विधायक ने पूर्व चेयरमैन पर लूट-खसौट का आरोप लगाते हुए कहा कि कोरोना काल के दौरान भी भ्रष्टाचार किया गया। उन्होंने आगामी एक साल के दौरान लोनी को कनाट प्लेस बनाने का दावा किया।

कर्मचारी ने ही कराई थी इलैक्ट्रोनिक्स शोरूम में लूट की वारदात

गाजियाबाद। सिहानी गेट थानाक्षेत्र के न्यू आर्यनगर में इलैक्ट्रोनिक्स शोरूम में 30 लाख रुपए कैश लूट की वारदात करने वाले चार लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से लूटा गया शत प्रतिशत कैश 23 लाख रुपए, घटना में प्रयुक्त बाइक, तमंचे, कारतूस और डेढ़ किलो गांजा बरामद हुआ है। पुलिस का कहना है कि इस सनसनीखेज वारदात को किसी को और ने नहीं बल्कि शोरूम के 10 साल पुराने कर्मचारी ने ही अंजाम दिलाया था। पकड़े गए आरोपियों में घटना का मास्टरमाइंड कर्मचारी भी शामिल है। वहीं, पीड़ित शोरूम मालिक ने 30 के बजाए 23 लाख रुपए लूटे जाने की बात कही है। इस सनसनीखेज वारदात का खुलासा करने वाली टीम की डीजीपी ने सराहना की और पुलिस कमिश्नर ने टीम को 50 हजार रुपए का नगद इनाम देने की घोषणा की है। डीसीपी सिटी निपुण अग्रवाल ने बताया कि 23 अप्रैल की रात करीब सवा 10 बजे राजनगर निवासी हरसिमरन सलूजा ने न्यू आर्य नगर स्थित अपने शोरूम में 30 लाख रुपए की लूट होने के बारे में पुलिस को सूचना दी थी।

यशस्वी जायसवाल सुपरस्टार खिलाड़ी है, भविष्य में देश का नाम रौशन करेगा : सुरेश रैना

चेन्नई (एजेंसी)। भारत के पूर्व क्रिकेटर और चार बार के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) विजेता सुरेश रैना ने राजस्थान रॉयल्स के युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के जज्बे की तारीफ करते हुए उन्हें टूर्नामेंट का सुपरस्टार बताया। साथ ही कहा कि उसके पास भविष्य में देश का नाम रौशन करने की क्षमता है।

राजस्थान ने गुरुवार को सवाई मानसिंह स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, जायसवाल ने 43 गेंदों पर 77 रनों की आक्रामक पारी खेली, जिसमें आठ चौके और चार छक्के शामिल थे, जिससे टीम को 5 विकेट के नुकसान पर 202 रनों का स्कोर खड़ा करने में मदद मिली, जिससे फिर टीम को 32 रन की जीत हासिल हुई। रैना को मैच समाप्त होने के बाद जियो सिनेमा पर कहा, जैसा कि रॉबिन (उथप्पा) ने कहा कि जब उसने रिवर्स स्वीप मारा, तो उसके सिर की पोजिशन बहुत अच्छी थी। वह शरीर के करीब खेलता है और जो मुझे सबसे ज्यादा पसंद है वह यह है कि जब भी वह गेंद को ड्राइव करता है तो वह अच्छे स्टाइल में रहता है। जब यह ज्यादा नहीं चलता है, तो आप अपने शॉट में बहुत अधिक शक्ति प्राप्त कर सकते हैं, आपकी स्विंग अच्छी हो जाती है। वह एक अच्छे गेंदबाज का सम्मान करता है और खुद को समय देता है। वह जानता है कि पहले छह ओवरों से परे खेल कैसे बनाया जाए। एक सलामी बल्लेबाज की सबसे बड़ी पहचान यह है कि आप ओवरों को देखते हुए आक्रमण करते हैं। 1 से 6 और 7-11 ओवरों से आप मजबूत होते हैं। वह आईपीएल का सुपरस्टार है और भविष्य में देश को गौरवान्वित करेगा।

रैना ने यह भी टिप्पणी की कि कैसे राजस्थान की गेंद के साथ शानदार शुरुआत ने चेन्नई को मैच से दूर कर दिया। चेन्नई पावर-प्ले में केवल 42 रन बना सका, जिससे चेन्नई को टूर्नामेंट में तीसरी हार का सामना करना पड़ा और अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गए। रैना ने कहा, उन्होंने टॉस जीता और बल्लेबाजी करने का फैसला किया, एक निर्णय जो उनके अनुकूल था। माही भाई ने अपनी प्रस्तुति की शुरुआत में कहा, जब आप 200 का पीछा कर रहे होते हैं तो आपको लगभग 60-70 की शुरुआत करनी होती है।

कपड़ा उतारकर मसाज कराता दिखा पाकिस्तानी क्रिकेटर, लाइव मैच में घटी ये घटना

रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज फखर जमां के 9वें शतक की बदौलत मेजबान टीम ने पहले मैच में न्यूजीलैंड को पांच विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही पाकिस्तान ने वनडे मैचों में अपनी 500वीं जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलिया और भारत के बाद ऐसा करने वाला वह तीसरा देश बन गया है। खैर, पाकिस्तानी क्रिकेटर क्या-क्या कर सकते हैं इसका अंदाजा शायद ही कोई लगा सकता है। अब इस वायरल हो रहे वीडियो को ही देख लीजिए। पाकिस्तानी क्रिकेटर शादाब खान लाइव मैच के दौरान कपड़े उतारकर ड्रेसिंग रूम में मसाज कराते नजर आए। दरअसल, पाकिस्तानी टीम बैटिंग कर रही थी। फखर जमां 76 और बाबर आजम 26 रन बनाकर खेल रहे थे। इस बीच कैमरामैन ने ड्रेसिंग रूम का रुख किया तो वहां का नजारा देखकर हर कोई दंग रह गया। ड्रेसिंग रूम में शादाब कपड़े उतारकर मसाज करवा रहे थे। शादाब खान ने मैच में 10 ओवरों में 56 रन देकर एक विकेट झटका था, जबकि बैटिंग करने नहीं उतरे।

बाबर आजम ने बनाया यह करिश्माई रिकॉर्ड, फिर भी रह गए विराट कोहली से पीछे

नई दिल्ली/रावलपिंडी (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एक गजब का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इंटरनेशनल क्रिकेट में 12 हजार रन पूरे किए। न्यूजीलैंड पर 5 विकेट जीत में 49 रनों पारी खेलने के दौरान यह आंकड़ा छुआ। बाबर सबसे कम पारियों में यहां तक पहुंचने के मामले में कोहली के रिकॉर्ड को तोड़ने में नाकाम रहे। बाबर आजम ने 277 अंतरराष्ट्रीय पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जबकि कोहली 276 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे थे।

बाबर आजम ने गुरुवार को रावलपिंडी क्रिकेट स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले वनडे में 49 रन की पारी के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। बाबर न केवल कोहली, बल्कि इंग्लैंड के जो रूट से भी पीछे रहे। वह सबसे तेज 12000 रनों तक पहुंचने वाले बल्लेबाजों की सूची में छठे नंबर पर हैं। वेस्टइंडीज के दिग्गज विवियन रिचर्ड्स 255 पारियों के साथ सबसे टॉप पर बने हुए हैं।

पाकिस्तान के ऑल-फॉर्मेट कप्तान ने 47 टेस्ट में 85 पारियों में 3,696 रन, 96 एकदिवसीय मैचों में 94 पारियों में 4,862 रन और 104 टी20ई में 98 पारियों में 3,485 रन बनाए हैं। बाबर के पास कोहली से आगे सबसे तेज 10,000 और 11,000 अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाले एशियाई बल्लेबाज होने का रिकॉर्ड है। इस बीच फखर जमां ने अपना 9वां वनडे शतक जड़ा और गुरुवार को पहले वनडे में पाकिस्तान को न्यूजीलैंड पर 5 विकेट से जीत दिलाई। बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज फखर ने 114 गेंदों में 117 रन बनाए। इसके साथ ही पाकिस्तान ने वनडे सीरीज में 1-0 की बढ़त ले ली है।

इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज 12 हजार रन पूरा करने वाले बल्लेबाज

विवियन रिचर्ड्स (वेस्टइंडीज)- 255
हाशिम अमला (साउथ अफ्रीका)- 264
स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया)-269
जो रूट (इंग्लैंड)- 275
विराट कोहली (भारत)- 276
बाबर आजम (पाकिस्तान)- 277
जावेद मियांदाद (पाकिस्तान)- 284
सचिन तेंदुलकर (भारत)- 288
सुनील गावस्कर (भारत)- 289

छोटी बच्ची हो क्या...

विराट पर ऐसा क्या बोला की अनन्या पांडे सोशल मीडिया पर हो गई ट्रोल

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2023 रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के धाकड़ बल्लेबाज विराट कोहली अपने दमदार फॉर्म में हैं। हालांकि इसके बावजूद उनकी टीम का प्रदर्शन औसत ही रहा है। विराट कोहली के अलावा फाफ डु प्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल ही सिर्फ इस सीजन में अपनी छाप छोड़ पाए हैं। यही कारण है कि टीम 8 में से सिर्फ 4 मुकाबले में ही जीत हासिल कर सकी है जबकि तीन मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है।

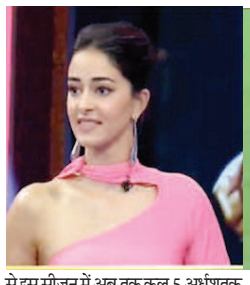

हालांकि आरसीबी को बेशक उस तरह की सफलता नहीं मिल पाई है जैसे की उसके फैंस उम्मीद कर लेकिन विटा कोहली के बल्ले से इस सीजन में अब तक कुल 5 अर्धशतक आ चुके हैं। यही कारण है कि बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे को लगता है कि कोहली आईपीएल के 16वें सीजन में ऑरेंज कैप विजेता बनेंगे। स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम में शामिल हुई अनन्या से पूछा गया कि इस साल ऑरेंज कैप कौन जीतेगा। इस पर अनन्या ने कहा, विराट कोहली इस बार ऑरेंज कैप जीतने वाले हैं। अनन्या के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस उन्हें ट्रोल करने लगे।

रन बनाने के मामले में टॉप-5 में शामिल हैं विराट - आईपीएल 2023 में विराट कोहली शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। विराट कोहली रन मनाने के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। इस सीजन में कोहली 8 मैचों में 142.30 की स्ट्राइक रेट से 333 रन बना चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 5 अर्धशतकीय पारी खेली है। आईपीएल के 16वें सीजन में कोहली का सर्वोच्च स्कोर नाबाद 82 रन का है।

वहीं आरसीबी के ही फाफ डु प्लेसिस मौजूदा सीजन में ऑरेंज कैप धारक है। डुप्लेसिस इस सीजन में 167.46 की औसत से 422 रन बना चुके हैं। डु प्लेसिस भी आरसीबी के लिए इस सीजन में कुल 5 अर्धशतक लगा चुके हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 84 रन का है। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि विराट कोहली जिस तरह के फॉर्म में चल रहे हैं उसे देखते हुए वह निश्चित रूप से ऑरेंज कैप के दावेदार बन सकते हैं। आखिरी बार विराट कोहली आईपीएल 2016 में ऑरेंज कैप मिला था। आईपीएल 2016 में विराट कोहली ने 973 रन बनाए थे।

कोलकाता के खिलाड़ी लिटन दास ने बीच में छोड़ा आईपीएल 2023

वापसी की नहीं दी कोई जानकारी

कोलकाता (एजेंसी)। बांग्लादेश के विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास बीच में टीम का साथ छोड़ गए हैं। वह पारिवारिक आपात स्थिति के कारण स्वदेश लौट गए हैं और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की तरफ से इंडियन प्रीमियर लीग के आगामी मैचों के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे। केकेआर की टीम के एक अधिकारी ने कहा,'' उनके परिवार में कोई आपात चिकित्सा स्थिति आ गई है जिसके कारण वह आज सुबह ढाका रवाना हो गए। वह कब तक वापसी करेंगे इसको लेकर कोई जानकारी नहीं है। इस 28 वर्षीय विकेटकीपर बल्लेबाज को केकेआर ने पिछले साल नीलामी में उनके आधार मूल्य 50 लाख रुपए में खरीदा था। उन्होंने आईपीएल में केवल एक मैच दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेला था। जेसन रॉय के साथ पारी का आगाज करते हुए दास ने उस मैच में केवल चार रन बनाए और विकेटकीपर के तौर पर उन्होंने स्टंपिंग के दो मौके गंवाए। दिल्ली ने यह मैच चार विकेट से जीत कर लगातार पांच मैचों में हारने का सिलसिला तोड़ा था।

आज केकेआर की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेरने उतरेगा गुजरात टाइटंस

कोलकाता (एजेंसी)। अपने मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के दम पर पिछले दोनों मैच जीतकर अपना अभियान पटरी पर लाने वाली गुजरात टाइटंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की वापसी की उम्मीदों पर पानी फेरने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

केकेआर ने लगातार चार मैच गंवाने के बाद पिछले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) को हराकर वापसी की थी।ऐसे समय में जबकि केकेआर के कैरेबियाई धुरंधर आंद्रे रसेल और सुनील नारायण नहीं चल रहे हैं तथा नियमित कप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं, तब उसे जेसन रॉय के रूप में नया ट्रंप कार्ड मिला है।इंग्लैंड के इस सलामी बल्लेबाज ने पिछले मैच में आक्रामक अर्धशतक जड़कर केकेआर के लिए मजबूत मंच तैयार किया था जिसका फायदा उठाकर कप्तान नितीश राणा, रिंकू सिंह और डेविड वीज ने आरसीबी के खिलाफ टीम का स्कोर 201 रन पर पहुंचाया था। आरसीबी के खिलाफ इस मैच में जीत से केकेआर 10 टीमों की अंक तालिका में सातवें स्थान पर पहुंच गया है लेकिन प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित करने के लिए अभी उसे लंबी राह तय करनी होगी। केकेआर के अभी केवल छह अंक हैं और उसे प्लेऑफ में जगह सुनिश्चित करने के लिए बाकी बचे छह मैचों में से कम से कम पांच मैचों में जीत दर्ज करनी होगी। केकेआर के लिए हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली गुजरात टाइटंस की टीम से पार पाना आसान नहीं होगा जिसके पास मजबूत गेंदबाजी आक्रमण और कुशल बल्लेबाज है। गुजरात की टीम अभी सात मैचों में 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है। गुजरात के पास मोहम्मद शमी के रूप में अनुभवी तेज गेंदबाज है जबकि स्वयं हार्दिक पावर प्ले में अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। केकेआर के बल्लेबाजों को हालांकि अफगानिस्तान के दोनों स्पिनरों राशिद खान और नूर अहमद की कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

टीम इस प्रकार हैं

कोलकाता नाइट राइडर्स- नितीश राणा (कप्तान), जेसन रॉय, वेंकटेश अय्यर, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, शार्दुल ठाकुर, लॉकी फर्ग्यूसन, उमेश यादव, टिम साउदी, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, अनुकूल रॉय, रिंकू सिंह, एन जगदीसन, वैभव अरोड़ा, सुयश शर्मा, डेविड विसे, कुलवंत खेजरोलिया, लिटन दास, मनदीप सिंह, रहमानुल्लाह गुरबाज और आर्या देसाई।

गुजरात टाइटन्स- हार्दिक पंड्या (कप्तान), शुभमन गिल, डेविड मिलर, अभिनव मनोहर, साईं सुदर्शन, रिद्धिमान साहा, मैथ्यू वेड, राशिद खान, राहुल तेवतिया, विजय शंकर, मोहम्मद शमी, अल्जारी जोसेफ, यश दयाल, प्रदीप सांगवान, दर्शन नलकंडे , जयंत यादव, आर. साई किशोर, नूर अहमद, दासुन शनाका, ओडियन स्मिथ, केएस भरत, शिवम मावी, उर्विल पटेल, जोशुआ लिटिल और मोहित शर्मा।

मैच शुरू- दोपहर 3.30 बजे।

पहलवानों ने जंतर-मंतर पर कहा-

हम अब किसी कमेटी या दिल्ली पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं देंगे, हम कोर्ट में ही साक्ष्य देंगे

पानीपत/नईदिल्ली (एजेंसी)। पहलवानों ने जंतर-मंतर पर कहा- हम अब किसी कमेटी या दिल्ली पुलिस को कोई साक्ष्य नहीं देंगे। हम कोर्ट में ही साक्ष्य देंगे। यौन शोषण के आरोपों पर दिल्ली पुलिस रेसलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर आज केस दर्ज करेगी। दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में यह बयान दिया है। 21 अप्रैल को एक नाबालिग समेत 7 महिला रेसलर्स ने बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत की थी। केस ना दर्ज होने पर रेसलर्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। आज सुनवाई के दौरान रेसलर्स की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कोर्ट में कहा- महिला रेसलर्स को सुरक्षा मुहैया कराई जाए और रिटायर्ड जज इस केस की निगरानी करें। इस दलील पर अदालत ने दिल्ली पुलिस को सुरक्षा मुहैया कराने का आदेश दिया है। कोर्ट ने पुलिस से अगले शुक्रवार तक हलफनामा दायर करने को कहा है। इसमें बताना होगा कि उसने क्या कदम उठाए। अगली सुनवाई 17 मई को होगी।दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे पहलवान अपना फिटनेस रूटीन नहीं रोक रहे हैं। वे लगातार 3 दिन से सुबह प्रैक्टिस कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद रेसलर्स ने मीडिया से बात की। बजरंग पूनिया ने कहा- बृजभूषण को तुरंत जेल में डाला जाए। जब तक उन्हें जेल में नहीं डाला जाएगा, तब तक हम यहां से नहीं उठेंगे। वे कह रहे हैं कि खिलाड़ियों ने कोई सबूत नहीं दिया। अगर सबूत नहीं दिया होता तो सुप्रीम कोर्ट एफआईआर का आदेश नहीं देता। विनेश फोगाट बोलीं- एफआईआर पहले दिन ही होनी चाहिए थी। सिर्फ एफआईआर से कुछ होने वाला नहीं है। बृजभूषण पर पहले से 85 से ज्यादा एफआईआर हैं। उनको पदों से हटाकर जेल में डालना होगा। हम अब किसी कमेटी या दिल्ली पुलिस को कोई सबूत नहीं देंगे। हम कोर्ट में ही सबूत देंगे। राधिका श्रीमन कहती हैं कि एक लड़की ने ही सेक्सुअल हैरेसमेंट की शिकायत की है। अगर ऐसा है तो उस एक लड़की की शिकायत पर भी केस दर्ज हो जाना चाहिए था। बृजभूषण को सभी पदों से तत्काल प्रभाव से हटाया जाए, क्योंकि वे अपने पदों का दुरुपयोग कर सकते हैं। यह लड़ाई बृजभूषण को सजा दिलाने की है।साक्षी मलिक ने कहा हमें दिल्ली पुलिस पर भरोसा नहीं है। अभी भी सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद केस दर्ज हुआ है। हम दिल्ली पुलिस को भी कॉपरेट कर देंगे, मगर हमारी सुनवाई होनी चाहिए। हमारे साथ धरने पर बड़े बुजुर्ग भी शामिल हैं, अब सभी की सहमति से ही धरने को खत्म या आगे बढ़ाने का फैसला लिया जाएगा।

अध्यक्ष के जेल जाने तक धरना जारी रहेगा : बजरंग

यह खिलाड़ी आए समर्थन में - डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण पर एक्शन की मांग को लेकर 6 दिन से जंतर-मंतर पर पहलवान धरना दे रहे हैं। शुक्रवार को इंडियन क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव, ओलिंपिक्स में गोल्ड जीतने वाले नीरज चोपड़ा, टेनिस स्टार सानिया मिर्जा, एक्टर सोनू सूद और एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर भी रेसलर्स के समर्थन में उतर आए।

पहलवानों के लिए खर्चीला साबित हो रहा विरोध प्रदर्शन - भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करना काफी महंगा साबित हो रहा है। इस खर्च के बावजूद पहलवान दिल्ली के इस प्रसिद्ध विरोध स्थल पर लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। पहलवानों ने डब्ल्यूएफआई प्रमुख पर यौन उत्पीड़न और धमकाने का आरोप लगाया है। पहलवानों ने पांच दिनों में गद्दे, चादर, पंखे, स्पीकर, माइक्रोफोन, पानी और खाने के अलावा एक छोटे जनरेटर की व्यवस्था पर पांच लाख रुपये से अधिक खर्च किए हैं। उन्होंने शुरुआत में गद्दे, चादर और 'साउंड सिस्टम' किराए पर लिए थे जिसके लिए उन्हें हर दिन 27,000 खर्च करने पड़ रहे थे। पहलवानों को महसूस किया कि अगर उन्हें लंबे समय तक बैठना पड़ा तो छोटी-छोटी चीजों की व्यवस्था करना एक बड़ा वित्तीय बोझ बन जाएगा।

विनेश फोगाट के पति सोमवीर राठी ने मीडिया से कहा, '' इसलिए हमने गद्दे खरीदने का फैसला किया। मैंने अपने गांव खरखौदा से 50,000 रुपये देकर 80 गद्दे खरीदे। हमसे प्रतिदिन गद्दे के लिए 12,000 रुपये प्रतिदिन का किराया लिया जा रहा था। यह बहुत बड़ी रकम है।'' उन्होंने बताया, '' शुरू में, हमने स्पीकर और माइक्रोफोन किराए पर लिए थे, लेकिन एक दिन की लागत 12,000 रुपये थी। यह बहुत अधिक थी। अब हमने चांदनी चौक बाजार से अपना 'साउंड सिस्टम' 60,000 रुपये में खरीदा है। दुकानदार पहलवानों के बारे में जानता था इस लिए उसने हमें इसे बिना कोई मुनाफा कमाये बेचा।'' पंखे और जेनरेटर अब भी किराये पर है। दोनों के लिए उन्हें हर दिन 10,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा, '' जरूरत पड़ी तो हम कूलर खरीद लेंगे। बाहर बहुत गर्मी है। हम अपने साथ दो लाख रुपये नकद लाए थे लेकिन अब तक लगभग पांच-छह लाख रुपये खर्च कर चुके हैं।'' विनेश, साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया इस विरोध का चेहरा हैं। सोमवीर, उनके दोस्त योगेश (भारत केसरी) और कई अन्य लोग विरोध को जारी रखने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। सोमवीर ने कहा, '' हमने काम आपस में बांट लिया है। कुछ कोच यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि रसोइयों द्वारा गुणवत्तापूर्ण भोजन तैयार किया जाये, जबकि युवा पहलवान विरोध स्थल पर भोजन पहुंचा रहे हैं। कुछ लोग यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि पानी की आपूर्ति निर्बाध हो। किसी को सफाई का ध्यान रखने की जिम्मेदारी दी गयी है। यहां तक कि सुरक्षाकर्मी भी हमारी मदद करते हैं।''

सोमवीर इसके साथ ही हरियाणा के विभिन्न अखाड़ों के प्रतिनिधियों को यहां जंतर-मंतर नहीं आने के लिए मना रहे हैं क्योंकि अधिक भीड़ को संभालना काफी चुनौतीपूर्ण होगा। लगभग 80 अखाड़े यहां आकर विरोध प्रदर्शन में साथ देना चाहते हैं लेकिन हमने उन्हें यहां आने से रोक दिया है।

सोमवीर से जब पूछा गया कि क्या उन्हें किसी राजनीतिक दल या प्रभावशाली लोगों से आर्थिक मदद नहीं मिल रही है ? उन्होंने कहा, ''अगर ऐसा होता, तो पहलवानों के सिर पर यहां 'वाटरप्रूफ शेड' और कुछ अच्छी सुविधाएं होती, लेकिन हम कम से कम संसाधनों में चीजों का प्रबंधन कर रहे हैं।'' फिलहाल विनेश, साक्षी और बजरंग के परिवार खर्च चला रहे हैं उन्होंने कहा, ''हम अभी किसी से मदद नहीं ले रहे हैं। हम खुद से चीजों का प्रबंधन कर रहे है। हम बहुत सावधानी से पैसा खर्च कर रहे हैं। जो लोग आ रहे हैं वे अपने भोजन की व्यवस्था खुद कर रहे हैं।

जमकर भड़के सुनील गावस्कर, बोले- आप केवल बल्लेबाजी करने नहीं आ सकते

जयपुर (एजेंसी)। जयपुर के सवाई मान सिंह स्टेडियम में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स को राजस्थान रॉयल्स से 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। जीत के लिए 203 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई को तेज शुरुआत की जरूरत थी, जो रॉयल्स की शानदार गेंदबाजी की वजह से उन्हें नहीं मिली। वहीं इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए अंबाती रायुडू भी 2 गेंदों में बिना खाता खोले पवेलियन चले गए। ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने रायुडू की क्लास लगाई, बल्कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी सवाल उठाया।

गावस्कर ने रायडू के आउट होने पर कमेंट्री पर कहा, आप फील्डिंग करने नहीं आए। फिर आप केवल बल्लेबाजी करने नहीं आ सकते और गेंद को मारना शुरू नहीं कर सकते। आप ऐसा नहीं कर सकते। हमने पृथ्वी शॉ के साथ यह देखा है। वह सफलता के बिना बल्लेबाजी करने के लिए आ रहा है। कोई फील्डिंग नहीं। कोई स्कोरिंग नहीं। रायुडू दूसरी गेंद पर डक के लिए आउट हो गए। इस प्रकार गावस्कर ने इम्पैक्ट प्लेयर के नियम को भी निशाने में लिया है। उतरी सीएसके की तरफ से नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आए रायुडू ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हुए आउट हो गए। वह एक बड़े स्लॉग स्वीप के लिए गए, लेकिन मिड विकेट पर कैच आउट हो बैठे। रायडू ने आईपीएल 2023 में आठ मैचों में 16.60 की औसत से 83 रन बनाने में सफल रहे हैं। यह उनके 14 साल के लंबे आईपीएल करियर का सबसे कम स्कोर अभी तक है। आईपीएल के इस संस्करण में, सीएसके द्वारा उन्हें ज्यादातर बल्लेबाज या इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में ही इस्तेमाल किया गया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आकाश सिंह की जगह रायडू को इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर लाया गया था। लेकिन दाएं हाथ का यह बल्लेबाज प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहा।

पाकिस्तान ने दर्ज की अपनी 500वीं वनडे जीत, भारत और ऑस्ट्रेलिया से अभी भी बहुत पीछे

करांची (एजेंसी)। गुरुवार को पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तानी टीम ने 5 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की। इस जीत के साथ पाकिस्तान ने क्रिकेट की दुनिया में अपने नाम एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ अब पाकिस्तान ने अंतर्राष्ट्रीय वनडे क्रिकेट में 500 जीत दर्ज कर ली हैं।

पाकिस्तानी टीम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 500 वनडे जीत दर्ज करने वाली तीसरी टीम बनी है। अंतर्राष्ट्रीय वनडे में सबसे ज्यादा जीत हासिल करने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम है, जिसने कुल 594 वनडे जीत अपने नाम दर्ज की है। वहीं इस लिस्ट में दूसरा नाम भारत का आता है। भारतीय टीम अब तक 539 वनडे अंतर्राष्ट्रीय जीत दर्ज कर चुकी है। इस लिस्ट में 411 जीत के साथ वेस्टइंडिज चौथे स्थान पर है।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा वनडे जीत दर्ज करने वाली टीमें

1. ऑस्ट्रेलिया - 594 मैच
2. भारत - 539 मैच
3. पाकिस्तान - 500 मैच
4. वेस्टइंडीज - 411 मैच
5. साउथ अफ्रीका - 399 मैच

पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच मैच का हाल

पाकिस्तान-न्यूजीलैंड के बीच मैच की बात करें तो कीवी टीम टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी। पहले बल्लेबाजी करते हुए डेरिल मिचेल ने 113 और विल यंग ने 86 रनों की पारी खेली। इन दोनों बल्लेबाजों की शानदारी पारी के बदौलत न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 288 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से शाहीन अफरीदी, नसीम शाह और हारिस रऊफ तीनों गेंदबाजों ने 2-2 विकेट चटके। वहीं शादाब खान ने 1 विकेट हासिल की। न्यूजीलैंड द्वारा दिए गए विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने 48.3 ओवर 5 विकेट के नुकसान के साथ जीत दर्ज कर ली।

भाजपा शासन में गुजरात 'सरप्लस पावर स्टेट' नहीं 'पावर परचेज स्टेट' बना : कांग्रेस

अहमदाबाद। भाजपा सरकार के शासन में गुजरात राज्य 'सरप्लस पावर स्टेट' नहीं बल्कि देश में 'पावर परचेज' स्टेट नंबर वन बन गया है। भाजपा सरकार ने महंगी बिजली खरीद कर करोड़ों रुपए प्राइवेज बिजली कंपनियों को भुगतान कर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया है। यह आरोप लगाते हुए गुजरात कांग्रेस के प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (टाटा पावर) के साथ 22 जुलाई 2007 को 25 वर्ष के लिए रु. 2.26 प्रति यूनिट के दर पर बिजली खरीदी का करारकिया था। इसके बावजूद प्रति यूनिट रु. 5.90 की कीमत का भुगतान कर बिजली खरीदी जा रही है। वर्ष 2021 और 2022 में टाटा पावर से 17761 मिलियन यूनिट बिजली खरीदी गई है। जिसके लिए राज्य सरकार ने रु. 6788 करोड़ की रकम का भुगतान टाटा पावर किया है। मूल करार के मुताबिक अगर बिजली खरीदी जाती तो इतनी बड़ी रकम का भुगतान नहीं करना पड़ता। गुजरात स्थित राज्य सरकार के अधीन पावर प्लांट जैसे सिक्का थर्मल पावर प्लान्ट, उत्तराण गैस पावर प्लांट, धुवारण गैस पावर प्लान्ट, गुजरात स्टेट एनर्जी जनरेशन कंपनी और गुजरात इंडस्ट्रीज पावर कंपनी लिमिटेड में बिजली उत्पादन शून्य है। राज्य सरकार के अधीन अन्य पावर प्लान्ट को मुश्किल से 30 प्रतिशत क्षमता के साथ चलाया जा रहा है।

जबकि प्राइवेट कंपनियों के पावर प्लांट 86 प्रतिशत क्षमता के साथ कार्यरत हैं। सरकारी प्लांट पूर्ण क्षमता से चल सकें इतनी क्षमता होने के बावजूद राज्य सरकार प्राइवेट बिजली कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए उनसे बिजली खरीदती है और सरकारी प्लांट को नहीं चलाती। बिजली करने वाले ग्रामीण घरेलू उपभोक्ताओं से 7.5 प्रतिशत और शहरी घरेलू उपभोक्ताओं से 15 प्रतिशत दर बिजली ड्यूटी के तहत वर्ष 2021 में रु. 1294.93 करोड़ और वर्ष 2022 में रु. 1492.69 करोड़ समेत दो साल में रु. 2787.62 करोड़ वसूल किए हैं। राज्य सरकार ने विभिन्न बिजली केन्द्रों को वर्ष 2021 में रु. 10454.67 करोड़ और वर्ष 2022 में रु. 14058.08 करोड़ समेत कुल 24512.75 करोड़ रुपए का भुगतान किया है।

सरकार ने गुजरात हाईकोर्ट में माना - पुलिस विभाग में 22000 जगह खाली

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर स्वीकार किया है कि राज्य के पुलिस विभाग में 22 हजार जितने पद रिक्त पड़े हैं। साथ ही यह भी बताया कि रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल पुलिस से संबंधित मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक हाईकोर्ट ने सुओमोटो याचिका पर सुनवाई की। हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद गुजरात सरकार ने हलनाफ नामा दाखिल किया, जिसमें कहा गया है कि राज्य के पुलिस विभाग में 21.3 प्रतिशत पद रिक्त हैं। 96194 रिक्त पदों में से ।3000 पर भर्ती की गई है और शेष 22 हजार जगह रिक्त है। राज्य के स्टेट रिजर्व फोर्स में भी कुल 4000 पद रिक्त हैं। अपने हलफनामे में गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट को बतायाकि रैली, जुलूस और सभा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता की मांग पर हाईकोर्ट ने रैली, जुलूस और सभा के बारे में अधिसूचना मीडिया में जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही आगामी अगस्त तक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने का हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार को आदेश दिया है। हाईकोर्ट इस मामले पर अगली सुनवाई 21 अगस्त को करेगी। बता दें कि गुजरात के पुलिस विभाग में रिक्त पदों को लेकर पिछले काफी समय से कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। गत 9 मार्च को याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार से कई सवाल किए थे। इसका जवाब देते हुए सरकार ने बताया कि पुलिस विभाग में रिक्त जगहों पर भर्ती करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

ग्रीष्मालवकाश के चलते सूरत और उधना स्टेशनों पर किए गए भीड़ प्रबंधन संबंधी विभिन्न उपाय

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे द्वारा गर्मी की छुट्टियों में सूरत और उधना रेलवे स्टेशनों पर भीड़ के मद्देनजर यात्रियों की आवाजाही को सुव्यवस्थित करने तथा प्लेटफॉर्मों एवं एफओबी सहित रेल परिसरों में भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कई एहतियाती कदम उठाए गए हैं और स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के उचित क्रियान्वियन हेतु समुचित व्यवस्था की गई है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार ग्रीष्मावकाश के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्याध के मद्देनज़र बुकिंग काउंटरों की अतिरिक्त शिफ्टें संचालित की जा रही है। साथ ही सूरत में अतिरिक्त बुकिंग काउंटर खोले गए हैं। सूरत स्टेशन पर कुल 31 से 34 शिफ्टें चलाई जा रही हैं। यूटीएस काउंटरों के अलावा फैसिलिटेटर के साथ स्वचालित टिकट वेंडिंग मशीन (एटीवीएम) भी स्टेशन पर उपलब्ध हैं। अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए पांच जेटीबीएस/वाईटीएसके काउंटर भी संचालित किए जा रहे हैं। अनारक्षित टिकट जारी करने के लिए यूटीएस मोबाइल एप सुविधा के बारे में भी जागरुकता फैलाई जा रही है। इसके अतिरिक्तक भीड़ प्रबंधन और निगरानी के लिए स्टेशनों पर आरपीएफ/जीआरपी कर्मियों की अधिकतम तैनाती सुनिश्चित की गई है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सूरत और उधना स्टेशनों पर, विशेष रूप से प्रवेश/निकास स्था नों और एफओबी पर अतिरिक्त आरपीएफ कर्मियों को तैनात किया गया है। उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों में भीड़ के मद्देनज़र विशेषकर इन ट्रेनों के सामान्य डिब्बों में भीड़ पर नजर रखने के लिए आरपीएफ/जीआरपी द्वारा विशेष प्रबंध किए गए हैं। सूरत से चलने वाली ट्रेनों में यात्रियों की उचित कतारें बनाई जा रही हैं और आरपीएफ/जीआरपी कर्मियों द्वारा तदनुसार सामान्य कोचों में उनकी सीटों तक पहुँचानों सुनिश्चित सुनिश्चित किया जाता है।

इसके अलावा, सीसीटीवी के माध्यम से स्टेसशनों पर विशेष निगरानी की जा रही है जिससे अधिक भीड़-भाड़ वाले स्थावनों की पहचान करने में मदद मिलती है। ट्रेनों के चलने, उनके आगमन/प्रस्थान की स्थिति और अनारक्षित कोचों की कोच स्थिति के बारे में रेलवे स्टेशनों पर नियमित घोषणाएं की जा रही हैं। इसके अलावा, सूरत और उधना स्टेशनों पर स्थिति की निगरानी और भीड़ प्रबंधन के लिए रेलवे अधिकारियों की तैनाती की गई है। ठाकुर ने आगे बताया कि ग्रीष्मावकाश के दौरान यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए 33 जोड़ी ग्रीष्म कालीन स्पेशल ट्रेनों के लगभग 1500 फेरे चला रही हैं। इनमें से, मुख्य रूप से, 09 जोड़ी ट्रेनें उत्तर प्रदेश और बिहार राज्यों के लिए, जबकि 05 जोड़ी ट्रेनें दिल्ली और उससे आगे के लिए हैं। गुजरात के लिए 08 जोड़ी ट्रेनें, राजस्थान के लिए, 05 जोड़ी ट्रेनें, उत्तर-पूर्व राज्योंल और पश्चिम बंगाल के लिए एक-एक ट्रेन, जबकि दक्षिण भारत के लिए 03 जोड़ी ट्रेनें चलाई जा रही हैं। सूरत/उधना से यात्रियों की सुविधा के लिए 05 जोड़ी ओरिजिनेटिंग विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसी तरह, गुजरात के अन्य स्टेशनों जैसे अहमदाबाद, गांधीधाम, वलसाड, ओखा आदि से 22 जोड़ी ओरिजिनेटिंग ट्रेनें चलाई जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने सुरेंद्रनगर-झालावाड को दी विभिन्न विकास कार्यों की भेंट

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने एक ही दिन में सुरेन्द्रनगर ज़िले को विभिन्न विकास परियोजनाओं की भेंट दी। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सुरेंद्रनगर ज़िले के अपने दौरे के दौरान नए बस स्टेशन का लोकार्पण किया तथा झवेरचंद मेघाणी संग्रहालय-पुस्तकालय का भूमिपूजन कर ज़िले में सार्वजनिक परिवहन सुविधाओं, संचार व साहित्य-विरासत के विकास को बढ़ावा दिया। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल का सुरेन्द्रनगर-झालावाड़ का एक दिवसीय दौरा ज़िले के लिए विकास उत्सव बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश भर में 91 आकाशवाणी रेडियो एफ.एम स्टेशनों का प्रारंभ नई दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से करवाया जिसके अंतर्गत सुरेंद्रनगर को भी ऐसे स्नरू स्टेशन की भेंट मिली है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल इस अवसर पर सुरेन्द्रनगर में आयोजित समारोह में सहभागी हुए। इसके अलावा मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ज़िले के दौरे के दौरान चोटिला में शुक्रवार की सुबह को राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी संग्रहालय एवं पुस्तकालय का भूमिपूजन किया।चोटिला में 29.51 करोड़ रुपए की लागत से राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी संग्रहालय तथा 3.39 करोड़ रुपए की लागत से सरकारी पुस्तकालय का निर्माण किया जायेगा। उन्होंने संग्रहालय का दौरा कर श्री झवेरचंद मेघाणी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और प्रदर्शित की गई मेघाणी की साहित्यिक कृतियों को रूचि के साथ देखा। राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी की 125वीं जयंती समारोह के तहत उनकी जन्मस्थली चोटिला में संग्रहालय तैयार करने के लिए सरकार द्वारा भूमि आवंटित की गई है तथा संग्रहालय के लिए 29.51 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है।यह संग्रहालय पत्रकारिता और गुजराती साहित्य के क्षेत्र में श्री झवेरचंद मेघाणी के योगदान को प्रदर्शित करेगा। इसके अलावा, चोटिला तालुका पुस्तकालय को राष्ट्रीय शायर झवेरचंद मेघाणी सरकारी तालुका पुस्तकालय नाम दिया गया है।वर्तमान में भवन छोटा होने के कारण राज्य सरकार द्वारा आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित दो मंजिला अत्याधुनिक सरकारी पुस्तकालय का निर्माण करवाया जायेगा। इस पुस्तकालय में मेघाणी जी की समस्त साहित्यिक कृतियाँ उपलब्ध कराई जाएँगी, जिनका पाठक एवं शोधार्थी उपयोग कर सकेंगे। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने ज़िले को एक और विकास की भेंट देते हुए सुरेन्द्रनगर शहर में 6.25 करोड़ की लागत से नवनिर्मित बस स्टेशन का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित एस.टी. बस स्टेशन परिसर का दौरा कर यात्रियों के लिए स्थापित विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया। सुरेंद्रनगर शहर में 20,083 वर्ग मीटर क्षेत्र में निर्मित आर.सी.सी. फ्रेम स्ट्रक्चर वाले इस बस स्टेशन में कुल 14 प्लेटफार्म और यात्रियों के बैठने की व्यवस्था के साथ एक प्रतीक्षालय, पूछताछ कक्ष, वी.आई.पी. वेटिंग लाउंज, चाइल्ड केयर रूम, कैंटीन, वाटर रूम समेत अन्य सुविधाएं भी की गई हैं। सुरेंद्रनगर बस स्टेशन पर सुरेंद्रनगर डिपो की 140 तथा अन्य डिपो की 140 बसें, कुल मिलाकर 280 बसों में प्रतिदिन आने-जाने वाले लगभग 5000 यात्रियों के लिए परिवहन और अधिक सुविधाजनक बनेगा।

गुजरात पर बेमौसमी बारिश का संकट बरकरार, चार दिन गरज के साथ हो सकती है बारिश

अहमदाबाद । मार्च महीने के बाद अप्रैल महीने के अंत में भी गुजरात पर बेमौसमी बारिश का संकट बरकरार है। मौसम विभाग ने राज्य में आगामी चार दिन बेमौसमी बारिश की भविष्यवाणी की है। जिसके मुताबिक गुजरात के अलग अलग जिलों में गरज और बिजली की कड़कड़ाहट के साथ बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की भविष्यवाणी से राज्य के किसानों की चिंता फिर एक बढ़ गई है। वेस्टर्न डिस्टर्बन्स के चलते राज्य में बरसाती माहौल बना है, जिसके अगले चार दिनों तक रहने की संभावना है। अहमदाबाद में भी बारिश होने की संभावना है। मौसम का मिजाज बदलने से 3 डिग्री तापमान कम होगा। इस बीच आज सुबह बनासकांठा के बोर्डर एरिया में ओले के साथ बारिश हुई। बनासकांठा के धानेरा तेज हवा और ओले के सात बारिश हुई। बापला,कुंडी, वाछोल और मांडल समेत गांवों में बारिश होने से किसानों की चिंता बढ़ गई। बनासकांठा जिले में लगातार दूसरे दिन बेमौसमी बारिश का दौर जारी रहा।

हार्ट अटैक से समधी की मौत के बाद समधन की भी दिल का दौरा पड़ने से हुई मौत

सूरत। पिछले काफी समय से राज्य में हार्ट अटैक से मौत की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ती जा रही है। सूरत में आज एक महिला और एक पुरुष की दिल का दौरा पड़ने से मौत गई। महिला और पुरुष का रिश्ता समधी-समधन का था। जानकारी के मुताबिक सूरत के पांडेसरा क्षेत्र निवासी नरेशभाई सुबह चाय पीने के बाद टहलने के गए थे। जहां लौटने के बाद घर पर अचानक गिर पड़े। परिजनों ने तुरंत नरेशभाई को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। लेकिन डॉक्टर ने नरेशभाई को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद नरेशभाई का शव घर लाया गया और अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू हो गई। अंतिम संस्कार में शामिल होने नरेशभाई की समधन आशाबेन भी आई थीं। नरेशभाई का शव देख 50 वर्षीय आशाबेन वहीं ढेर हो गए। आनन फानन में आशाबेन को भी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर ने उन्हें भी मृत घोषित कर दिया। दोनों की मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई।

पीएम मोदी के खिलाफ खड़के की टिप्पणी पर बोले पाटील - कहा गली के गुंडों की भाषा

अहमदाबाद। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी का मुद्दा तूल पकड़ता जा रहा है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा लगातार कांग्रेस पर हमलावर है। बता दें कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कर्नाटक में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी को लेकर बयान दिया था। जिसमें खड़गे ने पीएम मोदी को 'जहरीले सांप' जैसा बताया था। खड़गे ने आगे कहा 'अगर आप सोचेंगे कि जहर है या नहीं, लेकिन जैसे आप चखेंगे, आपकी मौत हो जाएगी।' गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने खड़गे के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सीआर पाटील ने कहा कि खड़गे की भाषा गली-मुहल्लों के गुंडों जैसी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की परंपरा रही है कि सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस और गांधी परिवार अभद्र भाषा या अभद्र टिप्पणी करने से चूकती नहीं है। गली-मुहल्ले के गुंडे जिस भाषा का उपयोग करते हैं वही भाषा का कांग्रेस बार बार उपयोग करती है। कांग्रेस नेताओं ने कई बार पीएम मोदी के खिलाफ ऐसी अभद्र टिप्पणियां की हैं। कुल 91 बार कांग्रेस नेताओं ने पीएम मोदी के खिलाफ असंसदीय शब्दों का उपयोग किया है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के इतने वरिष्ठ नेता होने के बावजूद पीएम मोदी के खिलाफ इस प्रकार की भाषा का उपयोग करना उन्हें शोभा नहीं देता। उन्होंने कहा कि

देश को आपातकाल की आग में झोंक देनेवाली कांग्रेस को अभद्र भाषा का उपयोग काफी सामान्य लगता है।

कांग्रेस अब लोगों की नजरों में लगातार गिरती जा रही है। कर्नाटक में अपनी हार देख कांग्रेस बुरी तरह बौखलाई हुई है, इसी वजह से उसके नेता अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं। यही कांग्रेस के संस्कार हैं। पाटील ने कहा कि कर्नाटक के चुनाव और उसके बाद लोकसभा के चुनाव में देश की जनता कांग्रेस को इसका माकूल जवाब देगी।

फोर्स IX ने मैक्सिमम सिटी में किया अपना विस्तार

इस साल जनवरी में एक नए सिरे से परिभाषित अपने एथलेजर-वियर लेबल के 'सॉफ्ट लॉन्च' के बाद अब बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार मुंबई के 'क्वीन ऑफ द सबअर्ब्स', बांद्रा में फोर्स IX के फ्लैगशिप बुटीक को लॉन्च करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं।

चहल-पहल वाले लिंकिंग रोड के शॉपिंग डिस्ट्रिक्ट के बीचों बीच स्थित, 1,800 वर्ग फुट में फैला यह स्टोर नेशंस फोर्सेज द्वारा उपयोग किए जाने वाले विभिन्न प्रकार के बूट कैम्प्स एवं ट्रेनिंग कैम्प्स से प्रेरित है और कुछ इस तरह से डिज़ाइन किया गया है, जहां पर फॉर्म फंक्शन के साथ मिलकर, स्पेस को एक अलग पहचान तथा कैरेक्टर प्रदान करता है। फोर्स IX का यह नया स्टोर पहला फिजिकल एड्रेस वाला स्टोर है जो कि मुंबई के लिए एक फ्लैगशिप स्टोर के रूप में काम करेगा, साथ ही पूरे शहर में फैशन-फ़ॉरवर्ड पेट्रोनस अर्थात संरक्षकों को एक नए सिरे से परिभाषित एथलेजर वियर प्रदान करेगा।

ग्रिटी एवं रगेड एस्थेटिक्स को ध्यान में रखते हुए, जिसकी उम्मीद एक मिलिट्री ट्रेनिंग बूट कैम्प्स से की जा सकती है, स्टोर के डिजाइन को जानबूझकर रज़ एवं इंडस्ट्रियल के मुताबिक रखा गया है, जिससे रस्टिक एलिमेंट्स फिनिश्ड के साथ एक शानदार लुक को हासिल किया जा सके। ड्यूरेबिलिटी और वर्सेटिलिटी के साथ ब्रांड के तमाम मेसेजेस को सुचारु तरीके से पहुंचाने के लिए स्टोर के फ्लोर को टेक्सचरड रबर के द्वारा बनाया गया है। इसके साथ ही स्टोर में उपयोग किये जाने वाले फिक्सचर पूरी तरह से कनवर्टिबल हैं तथा आवश्यकतानुसार नए डिजाइन और डिस्प्ले की स्टाइल के अनुरूप आसानी से ढल सकते हैं। इसके अतिरिक्त, अक्षय कुमार जिन्हे फिटनेस के प्रति काफी लगाव है, को ध्यान में रखते हुए, स्टोर के ट्रायल रूम में एक फुल- ब्लोन रॉक-क्लाइम्बिंग वॉल को भी फीचर किया गया है।

इमर्सिव तथा इंटरैक्टिव शॉपिंग एक्सपीरियंस के लिए, फोर्स IX के मुंबई फ्लैगशिप स्टोर में एक ऑगमेंटेड रियलिटी वॉल तथा विशाल हैंड -पेंटेड म्यूरल भी मौजूद है जिसे विभिन्न आर्टिस्टों द्वारा सहयोगात्मक रूप से पेंट किया गया है, जो ब्रांड के एथोस को रेखांकित करता है और दर्शाता है कि फैशन सभी के लिए एक है साथ ही फोर्स IX में जीवन के विविध क्षेत्रों से सम्बंधित लोगों के लिए उनकी इसे उनकी भावनाओं के अनुरुप तैयार किया गया है!

'फोर्स IX ब्लूज़ में डूबा - फोर्स IX का आइकॉनिक ब्रांड कलर है, जो भारतीय राष्ट्रीय ध्वज के अशोक चक्र में भी पाया जाता है - साथ ही जो भारत की आध्यात्मिकता के साथ-साथ सत्य, सदाचार, धर्म और प्रगति की तरफ निरंतर मूवमेंट का भी प्रतिनिधित्व करता है, यह नया स्टोर दिखने में वाकई काफी आइकोनिक होने के साथ -साथ रिटेल एक्सपीरियंस के मामले में भी सबसे अलग है।

ब्रांड के इस पहले फ्लैगशिप स्टोर के लॉन्च के बारे में बात करते हुए, फोर्स ड्ढ्ङ्ग के पीछे के विजिनरी और को- फाउंडर अक्षय कुमार कहते हैं कि, "फोर्स IX के पीछे का हमारा पूरा आईडिया एक ऐसे ब्रांड को बनाना था जो कि स्टाइल और आराम को पूरा ध्यान रखता हो। जब हमने इस ब्रांड पर काम करना शुरू किया, तो हमें कम ही पता था कि यह हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाएगा और कुछ ही महीनों के इस अथक परिश्रम के बाद, मुझे फोर्स IX का पहला फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च करने पर बेहद गर्व है, इसके साथ ही मेरा मानना है कि यह केवल एक शॉपिंग एक्सपीरियंस न होकर लाइफ स्टाइल एक्सपीरियंस है। मुझे पूरी आशा है कि फोर्स ड्ढ्ङ्ग का यह फ्लैगशिप स्टोर हमारे पेट्रोन्स को प्रोडक्ट और रिटेल एक्सपीरियंस के माध्यम से मेरे लाइफस्टाइल की एक छोटी सी झलक प्रदान करेगा।"

विद्यार्थियों को जागरूक करने के लिए पर्यावरण संरक्षण पर वक्तव्य दिया गया

सूरत भूमि सूरत। राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता पर्यावरणविद् विरल देसाई ने अपने वक्तव्य के जरिए विद्यार्थियों को जागरूक किया। नवसारी के विख्यात स्कूल एबी स्कूल में उनके वक्तव्य का आयोजन किया गया था। जिसमें उन्होंने स्कूल के 400 से अधिक छात्रों के समक्ष पर्यावरण संरक्षण के बारे में दिलचस्प बात कही। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में देसी प्रजाति के पौधे भी रोपे गए।

वक्तव्य के जरिए ग्रीनमैन विरल देसाई ने छात्रों के सामने पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण के संबंध में कुछ तथ्य प्रस्तुत किए। इस आयोजन का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के कार्यों के लिए छात्रों को प्रोत्साहित और तैयार करने का था। विरल देसाई अपने वक्तव्य के दौरान छात्रों के साथ कुछ प्रेरणादायक बातें भी साझा कीं। उन्होंने कहा, चआज के छात्रों के लिए पर्यावरण उनकी पढ़ाई का एक हिस्सा मात्र है, लेकिन उन्हें इस बात का एहसास नहीं है कि पर्यावरण उनके जीवन का अभिन्न अंग है और इस पर्यावरण के संरक्षण की जिम्मेदारी कल उन पर आ जाएगी.' यही कारण है कि मैं भविष्य की पीढ़ी तक पर्यावरण संरक्षण के कुछ वास्तविक आंकड़े लेकर पहुंचता हूं और उन्हें पर्यावरण योद्धा बनाता हूं।'

इस कार्यक्रम के दौरान छात्रों की ओर से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के संबंध में कई प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासा व्यक्त की।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)